केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 239 बुधवार 20 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अपर मुख्य सचिव गृह बनाए गए दीपक कुमार

लखनऊ (आभा)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी दीपक कुमार यूपी के नए अपर मुख्य सचिव गृह बनाए गए हैं। चुनाव आयोग ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने उन सभी राज्यों में गृह सचिवों को हटा दिया था, जिनके पास सीएम कार्यालय की भी कोई जिम्मेदारी थी। इसके साथ ही यूपी में भी संजय प्रसाद से भी प्रमुख सचिव गृह का चार्ज ले लिया गया था और गृह विभाग का चार्ज स्वतः ही मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा के पास चला गया था। दीपक कुमार 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और अभी वित्त विभाग के प्रमुख हैं। दीपक अब गृह विभाग के प्रमुख होंगे।

सूत्रों के अनुसार, अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव खेल आलोक कुमार और प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान के नाम का पैनल चुनाव आयोग को भेजा गया था। आयोग ने सबसे वरिष्ठ अधिकारी दीपक के नाम पर मुहर लगाई।

हादसे में घायल ढाबा संचालक विनीत की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार की देर शाम बस्ती के बड़े वन ओवरब्रिज पर हुए हादसे में घायल कप्तानगंज के एक ढाबा संचालक लखनऊ ले जाते समय दम तोड़ दिया। परिजन शव लेकर गांव पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची कप्तान में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना 18 मार्च की देर शाम की बताई जा रही है। कप्तानगंज के दुध गौरा गांव निवासी विनीत मिश्रा (25) पुत्र इंद्रमणि मिश्र जो गांव के सामने बाबा ढाबा चलते हैं। बताया जाता है कि बस्ती बड़ेवन ओवरब्रिज पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। विनीत को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय विनीत ने रास्ते में दम तोड़ दिया। मंगलवार की भोर में शव को लेकर परिजन गांव पहुंचे तो कोहराम मच गया। विनीत अपने दो भाइयों में बड़ा था। दो वर्ष पूर्व उसकी शादी हुई थी। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज दीपक दुबे ने बताया कि परिजनों की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया ।

बुजुर्ग से 11 हजार की ठगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के लालगंज थानाक्षेत्र के बनकटी बाजार में स्थित एक ग्राहक सेवा केंद्र से पैसा निकालकर लौट रहे बुजुर्ग से उचक्का 11 हजार रुपये ले उड़ा। सोमवार की शाम हुई घटना को अंजाम देने के बाद भाग गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार गोड़ ने बताया कि मामले में जांच कर उचित कार्रवाई होगी।

मुंडेरवा थानाक्षेत्र के गंगौरा गांव निवासी रामजीत सोमवार को बनकटी के सहज जनसेवा केंद्र पर पहुंचे। यहां से 11000 निकाल कर घर जा रहे थे। तभी एक उचक्के ने उन्हें रोकर कहा बाबा हमें पहचाने नहीं। बुजुर्ग ने कहा नहीं तब उचक्के ने कहा कि मैं इसी ब्लाक में पेंशन आदि बनता हूं। अब पेंशन साढ़े तीन हजार हो गई है। बातों में उलझाकर पूछा कि कितना रुपये निकाले हो। काली पन्नी बुजुर्ग के हाथ से लेकर अपना हाथ पीछे करके रुपये निकाल लिया और पन्नी में कागज भरकर बुजुर्ग को वापस कर दिया। इसके बाद बाइक लेकर भाग गया। थोड़ी देर बाद बुजुर्ग को शक होने पर पन्नी निकाल कर देखा तो उसमें रुपये की जगह कागज था। गांव के प्रधान सुरेन्द्र यादव भी सूचना पाकर पहुंच गए और थाने पर तहरीर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने सीएए पर सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने सीएए पर मंगलवार को नरेंद्र मोदी सरकार से जवाब मांगा है। सीएए को लेकर कई याचिकाएं दायर की गई हैं, कोर्ट मामले की सुनवाई नौ अप्रैल को करेगा। हालांकि शीर्ष अदालत ने इस पर स्टे लगाने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ताओं की इस संबंध में की गई मांग नहीं मानी गई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। सीएए को लेकर कुल 237 याचिकाएं दायर की गई थीं।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पेटिशंस और अप्लीकेशंस का जवाब देने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। उन्होंने दलील दी कि कुल 237 पेटिशंस हैं। स्टे के लिए 20 अप्लीकेशन आए हैं। जवाब देने के लिए मुझे समय चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएए लागू होने से किसी की नागरिकता नहीं जाने वाली है। याचिकाकर्ताओं के दिमाग में इसको लेकर पूर्वाग्रह डाला गया है।

एसजी मेहता ने कोर्ट से कहा कि केंद्र को कम से कम चार हफ्ते का समय चाहिए। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि स्टे अप्लीकेशंस का जवाब देने के लिए इतना समय बहुत ज्यादा है। सिब्बल ने आगे दलील दी कि अगर नागरिकता को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई तो फिर से वापस नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर अभी तक इंतजार किया गया है तो जुलाई में कोर्ट का फैसला आने तक इंतजार किया जा सकता है। आखिर इतनी जल्दबाजी क्या है?

आप सांसद संजय सिंह ने लिया शपथ

नई दिल्ली (आभा)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को राज्यसभा सचिवालय में शपथ ली। जनवरी में संजय सिंह को उनकी पार्टी ने दोबारा से राज्यसभा के लिए नामित किया था। लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से उनकी शपथ टल रही थी। संजय सिंह अभी जेल में हैं और कोर्ट की परमिशन लेकर आज शपथ लेने पहुंचे थे। राज्यसभा के सभापति उपराष्ट्रपति ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में आरोपी आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए 19 मार्च को संसद में पेश होने की अनुमति कोर्ट की ओर से दी गई। सिंह को हाल ही में दूसरे कार्यकाल के लिए राज्यसभा के लिए चुना गया था। लेकिन उन्हें शपथ नहीं दिलवाई गई थी।

पीलीभीत से वरुण गांधी का टिकट काट सकती है भाजपा

लखनऊ (आभा)। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बिगुल बज चुका है। अप्रैल–मई में वोटिंग के बाद चार जून को नतीजे आने हैं। यूपी में बीजेपी ने ज्यादातर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है, लेकिन अब जिसपर सबकी नजरें हैं, वे वरुण गांधी हैं। पीलीभीत सीट से वर्तमान सांसद वरुण गांधी लंबे अरसे तक अपनी ही राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ बयान देते रहे। बीच–बीच में उनके पार्टी से नाराज होने की भी जानकारियां सामने आईं। सूत्रों के अनुसार, अब पीलीभीत से बीजेपी वरुण गांधी का टिकट काट सकती है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पीलीभीत सीट से बीजेपी कभी कांग्रेस में रहे और इस समय यूपी सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद को टिकट दे सकती है। इसके अलावा, एक और मंत्री संजय गंगवार के नाम की भी चर्चा की गई है। हालांकि, आखिरी फैसला केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में किया जाएगा। मालूम हो कि जितिन प्रसाद यूपीए सरकार के समय केंद्र में मंत्री रह चुके हैं। उनकी गिनती राहुल गांधी के करीबी नेताओं में होती थी। बाद में उन्होंने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी ज्वाइन कर ली और फिर योगी सरकार में मंत्री बनाए गए।

एक दशक पहले वरुण गांधी की बीजेपी में फायरब्रांड नेताओं में गिनती होती थी। उन्हें यूपी का बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में भी देखा जाता था, लेकिन फिर 2017 में बीजेपी ने योगी आदित्यनाथ को सीएम बना दिया। पिछले कुछ सालों में वरुण गांधी किसान आंदोलन, बेरोजगारी समेत तमाम मुद्दों पर काफी मुखर रहे और यूपी व केंद्र की अपनी ही सरकारों पर हमला बोलते रहे। यही वजह है कि लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं कि इस बार पार्टी लोकसभा चुनाव में वरुण का टिकट काट सकती है।

जब–जब वरुण गांधी की बीजेपी से नाराजगी की अटकलें लगीं तो यह भी चर्चा में आया कि वे समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी कयास लगाए गए और अब लोकसभा चुनाव के दौरान भी ऐसी ही अटकलें लग सकती हैं। अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर टिप्पणी की है। अखिलेश यादव ने बीजेपी सांसद वरुण गांधी को लेकर कहा कि उनके बारे में हमारा संगठन फैसला लेगा। वरुण को लेकर एक और अटकलें लग रही थीं कि वे अमेठी से निर्दलीय मैदान में उतर सकते हैं और कांग्रेस व सपा उनका समर्थन कर सकती है। हालांकि, ऐसी चर्चाओं की पुष्टि नहीं की जा सकी है।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा को उम्रकैद

मुम्बई (आभा)। देश के नामी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा को बॉम्बे हाई कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। प्रदीप को रामनारायण गुप्ता उर्फ लखन भैया के फर्जी एनकाउंटर के मामले में यह सजा सुनाई गई है। लखन भैया छोटा राजन गैंग का मेंबर था। उसका एनकाउंटर मुंबई के ही वर्सोवा में नवंबर 2006 में हुआ था। इस एनकाउंटर को जांच में फर्जी पाया गया था। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस गौरी की डिविजन बेंच ने 13 अन्य लोगों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा, जो निचली अदालत ने सुनाई थी। इनमें से एक प्रदीप सूर्यवंशी भी हैं, उन्हें भी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के तौर पर ख्याती प्राप्त रही है।

इन लोगों पर आरोप था कि इन्होंने लखन भैया को नवी मुंबई के वाशी इलाके से किडनैप किया था। लखन के एक दोस्त अनिल भेड़ा को भी पकड़ा गया था। इस मामले में अदालत ने 6 आरोपियों को बरी कर दिया है, जबकि दो लोगों के खिलाफ केस ही बंद हो गया है। इन लोगों की उच्च न्यायालय में अपील दाखिल होने के बीच ही मौत हो गई। 12 जुलाई 2013 को मुंबई की सेशंस कोर्ट ने प्रदीप शर्मा को इस मामले में बरी कर दिया था। लेकिन प्रदीप सूर्यवंशी समेत अन्य लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

कार से डेढ करोड़ नकदी बरामद

बागपत (आभा)। लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगने के बाद चेकिंग के दौरान पहली बड़ी सफलता हाथ लगी है। बागपत में गाड़ियों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक कार से डेढ़ करोड़ कैश बरामद किया है। कार मालिक कैश के बारे में कागजात नहीं दिखा सका। ऐसे में आयकर विभाग की टीम को बुलाकर कैश उनके हवाले कर दिया गया। आयकर विभाग ने जांच शुरू कर दी है। चुनाव आयोग ने 49 हजार से ज्यादा कैश लेकर चलने पर उसके साथ कागजात भी लेकर चलने को कहा है। कैश का हिसाब रखना जरूरी किया गया है।

आयोग ने इसके लिए बैंक की पर्ची या एटीएम रसीद आदि साथ होना जरूरी है। यह भी कहा है कि अगर कोई कागजात नहीं मिलता तो माना जाएगा कि कैश का इस्तेमाल चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता था। दस लाख से ज्यादा रुपए होने पर उसे ट्रेजरी में जमा करने का निर्देश भी आयोग ने दिया है।

बागपत के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि 16 मार्च को भारत निर्वाचन आयोग के आदर्श आचार संहिता लागू करने के बाद से जिले में अवांछित गतिघविधियों पर नजर रखी जा रही है।

सपा नेता सर्वेश श्रीवास्तव समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी के पूर्व नगर उपाध्यक्ष सर्वेश श्रीवास्तव मंगलवार को समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने पार्टी कार्यालय पर उपस्थित लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाया।

कार्यक्रम में उपस्थित सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी ने भाजपा की सदस्यता लेने वालों का स्वागत करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस प्रकार से हर मोर्चे पर विकास की गति तेज हुई है, आस्था को सम्मान मिला और श्री अयोध्याधाम में भव्य श्रीराममंदिर का निर्माण पूरा हुआ उसी का फल है कि लोग गैर दलों को छोड़ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। पार्टी सबका साथ, सबका विकास का लक्ष्य लेकर आगे बढ रही है।

समाजवादी पार्टी के पूर्व नगर उपाध्यक्ष सर्वेश श्रीवास्तव ने कहा कि सपा अपने लक्ष्य से भटक गई इसलिये समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गये। सर्वेश श्रीवास्तव के साथ पं. विजय चौबे, प्रमोद दूबे, राम निरंजन चौधरी, मो. इरफान, रवि जायसवाल, रतन श्रीवास्तव, मोहन श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, रजत कुमार, विश्वास श्रीवास्तव उर्फ सोनू, पप्पू शुक्ल, नौशाद, एजाज के साथ ही बड़ी संख्या में लोग भाजपा में शामिल हुये।

इस मौके पर मुख्य रूप से राना दिनेश प्रताप सिंह, अरविन्द पाल, सन्तोष सिंह, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू' जगदीश शुक्ल, रामचरन चौधरी, पप्पू शुक्ल के साथ ही भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत पतिला के विकास कार्यों की जिला स्तरीय कमेटी बनाकर जांच की मांगः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उनके प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पतिला में विकास कार्यो, मनरेगा मजदूरी में मनमानी आदि की जांच कागजों में न करके नये सिरे से भौतिक सत्यापन कराया जाय।

सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पतिला में विकास कार्यो, मनरेगा मजदूरी में मनमानी आदि की जांच कराये जाने की मांग किया गया था, नामित जांच अधिकारी सहायक विकास अधिकारी प्रशान्त खरे ने ग्राम पंचायत भवन स्थल पतिला में एक स्थान पर बैठकर ग्राम प्रधान व सचिव के दबाव प्रभाव में आकर मनमानी आख्या दे दिया। यदि मौके पर जोंच अधिकारी ने जांच किया होता तो सच सामने आ जाता। यही नहीं शिकायतकर्ता को कोई सूचना भी नहीं दी गई। ज्ञापन के द्वारा मांग किया गया है कि विकास कार्यो की स्थलीय जांच के साथ ही मनरेगा, मस्टररोल के अनुसार मजदूरों द्वारा किये गये दैनिक कार्य की जांच कराने के साथ ही अनियमितता में पुष्टि पर दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाय। भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि यदि जिला स्तरीय कमेटी गठित कर नये सिरे से शिकायतकर्ता की उपस्थिति में जांच न करायी गई तो मोर्चा अनिश्चितकालीन धरना देने को बाध्य होगा। ज्ञापन देने वालों में हृदय गौतम, राम सुमेर यादव आदि उपस्थित रहे।

चुनाव डियूटी से बचने के लिये गंभीर बीमारी बताने वाले 115 कर्मचारियों का 20 मार्च को होगा स्वास्थ्य परीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन में कार्यालयध्यक्षों द्वारा अत्यंत गंभीर बीमारी से ग्रसित दर्शाये गए 115 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण मेडिकल बोर्ड द्वारा 20 मार्च को विकास भवन में किया जाएगा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित लोकसभा निर्वाचन की तैयारी बैठक में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने सीएमओ को निर्देशित किया कि पर्याप्त संख्या में महिला एवं पुरुष डॉक्टर की टीम गठित कर समय से मौके पर भिजवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि भविष्य में जो भी कर्मचारी स्वास्थ्य आधार पर निर्वाचन ड्यूटी से मुक्ति चाहते हैं, उनकी जांच मेडिकल बोर्ड से अवश्य कराई जाए। मेडिकल जांच के दौरान कर्मचारियों को डॉक्टर द्वारा दिए गए सभी डायग्नोसिस पेपर लेकर आना होगा।

-लेकर आनी होगी स्वास्थ्य की जांच रिपोर्ट
-डीएम ने दिया शस्त्र लाईसेंसों को जमा कराने का निर्देश

जिलाधिकारी ने कार्मिकों की तैनाती, प्रशिक्षण शेड्यूल, सुरक्षा एवं अन्य बिंदुओं पर भी समीक्षा किया। उन्होंने निर्देश दिया कि किसान इंटर कॉलेज एवं किसान डिग्री कॉलेज में 20 से 25 अप्रैल के बीच प्रशिक्षण के दौरान यहां पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती की जाए। पुलिस अधिकारी कृषि उत्पादन मंडी समिति का निरीक्षण करके सुरक्षा व्यवस्था एवं बैरिकेडिंग तथा ट्रैफिक प्लान के बारे में कार्य योजना तैयार कर ले। उन्होंने कहा कि मंडी परिषद से ही मतदान पार्टियों की रवानगी की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि विधानसभावार कार्मिकों को ड्यूटी ऑर्डर, स्टेशनरी तथा ईवीएम मशीन प्राप्त करने के लिए 15 से 20 काउंटर अवश्य लगाए जाएं।

उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पचासी वर्ष से अधिक आयु के लोगों का घर पर ही मतदान करने की व्यवस्था की समीक्षा किया। उन्होंने पोस्ट बैलेट, कार्मिकों को इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट निर्गत करने तथा उनके द्वितीय प्रशिक्षण के दौरान मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। इसके लिए परियोजना निदेशक राजेश झा को प्रभारी नामित किया गया है।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए निर्देश दिया कि अपने क्षेत्र के सभी लाइसेंसी शस्त्र धारकों का शस्त्र 24 घंटे के भीतर जमा कराकर सूचित करें। इस अवधि में शस्त्र ना जमा करने वाले लाइसेंस धारकों की अलग से सूची उपलब्ध कराये ताकि उनके निरस्तीकरण की कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि क्रिटिकल एवं बरनरेबुल मतदेय स्थल का एसडीम, सीओ, थानाध्यक्ष भ्रमण करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा अराजकतत्वों के विरुद्ध पाबंदी की कार्रवाई करें। उन्होंने गुंडा एक्ट में दर्ज मामलों में जिला बदर करने के लिए भी निर्देशित किया है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक राजस्व ग्राम के कानूनगो, लेखपाल, ग्राम पंचायत अधिकारी तथा ग्राम विकास अधिकारी एवं अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों का फोन नंबर लेकर कम्युनिकेशन प्लान अपडेट कर ले।

बैठक के बाद जिलाधिकारी अंद्रा वामसी एवं पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने अधिकारियों के साथ किसान डिग्री कॉलेज तथा किसान इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया और यहां पर प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी कमरे खुलवाकर देखा और उसकी साफ–सफाई तथा पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक दिन नगर पालिका द्वारा यहां पर सफाई कराई जाए तथा पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। इस दौरान एडीएम कमलेश चंद्र, एएसपी ओम प्रकाश सिंह, सीआरओ सजीव ओझा, एसडीएम सदर शत्रुघ्न पाठक, सीओ सदर विनय सिंह चौहान, जिला कृषि अधिकारी डॉ. राज मंगल चौधरी, उपायुक्त मनरेगा संजय शर्मा, प्राचार्य डॉक्टर रीना सिंह तथा अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

होली, रमजान शांतिपूर्वक मनायें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने आगामी होने वाले त्यौहार होलिका दहन, होली, रमजान को शांतिपूर्वक तरीके से मनाये जाने के उद्देश्य से जनपदीय शान्ति समिति (पीस कमेटी) के प्रतिनिधियों एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने बैठक में उपस्थित पीस कमेटी के सदस्यों से कहा कि धार्मिक आयोजक विगत वर्षों को ध्यान में रखते हुए विचार करके ही त्यौहार मनायें।

जिलाधिकारी ने कहा शांति समिति की बैठक का बहुत ही सर्वोच्च स्तर होता है तथा प्रशासन के साथ–साथ जनपद के सभी धर्म के माननीय लोगों की भी जिम्मेदारी होती है कि हम सब साथ मिलकर त्योहारों को मनाएं। उन्होंने कहा सभी को सतर्क रहने की आवश्यकता है। त्योहारों में समुदायों में होने वाले विवादों को ध्यान में रख कर किसी तरह की अप्रिय घटना न होने पाये, सूझबूझ के साथ मनाये। हिंदू मुस्लिम सभी धर्म के लोगों की भूमिका रहेगी कि दोनों के ही त्योहारों को मनाने में एक दूसरे का सहयोग करें किसी भी प्रकार का विवाद न हो।

जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिया कि त्यौहार के दौरान साफ–सफाई व पानी की दिक्कत किसी प्रकार से न होने पाये। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिया कि त्यौहार के दौरान विद्युत कटौती नहीं की जायेगी। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि समस्त सीएचसी पीएचसी पर चिकित्सकों की ड्यूटी निर्धारित करते हुए इमरजेंसी किट उपलब्ध हो। उन्होंने उपजिलाधिकारी तथा क्षेत्राधिकारी पुलिस को निर्देश देते हुए कहा कि कहीं कोई भी अप्रिय घटना न होने पाये तथा कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों का चिन्हांकन कर लें तथा थानों पर शांति समिति की बैठक आहूत कर ली जाये। उन्होने बताया कि जनपद में कुल 2740 स्थलों पर होलिका दहन की जायेंगी।

पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि त्यौहारों को पूर्ण शान्तिपूर्वक तरीके से मनायें जाने की रूप रेखा अभी से तैयार कर ली जाये। उन्होने कहा कि किसी भी सहायता के लिए कंट्रोल रूम नं0–9454401933 या 112 पर काल कर सकते है। एडीएम कमलेश चन्द्र ने कहा कि होलिका दहन वाले स्थान पर सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था हों और होली खेलने का निर्धारित समय है उसी के अन्दर खेला जाय। उन्होने यह भी कहा कि एंबुलेन्स सरकारी/प्राइवेट वाहन पर किसी भी प्रकार का रंग, ईट, पत्थर ना फेका जाय तथा 3 सवारी बैठाकर मोटरसाइकिल ना चलायें और ना ही स्टंटबाजी वाला काम करें। इस प्रकार की घटना संज्ञान में आती है, तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेंगी।

बैठक में सम्भ्रांत व्यक्ति राजकमल पाण्डेय, डा. सर्वेष्ट मिश्रा, सरदार जगवीर, रोशन अली, संतोष कुमार गौतम, डा. वी.के. वर्मा सहित अन्य लोगों ने भी अपना–अपना सुझाव दिया। इसमें सीडीओ जयदेव सीएस, एएसपी ओम प्रकाश सिंह, सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, सीआरओ संजीव ओझा, पीडी राजेश झॉ, डीपीआरओ रतन कुमार, उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक, विनोद पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, अधिशासी अभियन्ता विद्युत महेन्द्र मिश्रा, समस्त क्षेत्राधिकारी पुलिस, संभ्रांत नागरिक तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 मार्च 2024 बुधवार

सम्पादकीय

पांचवीं बार पुतिन

एक बार फिर ब्लादिमीर पुतिन रूस के राष्ट्रपति बन गए हैं। वे पांचवीं बार राष्ट्रपति बने हैं। जो बताता है कि दो वर्ष पूर्व यूक्रेन युद्ध शुरू करने के चलते पूरी दुनिया के निशाने पर आने वाले पुतिन का अपने देश रूस में एकछत्र राज्य है। वैसे खुफिया एजेंसी प्रमुख से लेकर राष्ट्रपति बनने तक पुतिन की निरंकुश सत्ता लगातार परवान चढ़ती रही है। पश्चिमी देशों की सुविधा के अनुरूप लायी गई उदारीकरण व खुलेपन की वैश्विक नीतियों से सोवियत संघ के बिखराव के बाद आहत रूसी राष्ट्रवाद को पुतिन ने अपने तरीके से सींचा। शासन, चुनाव तंत्र और मीडिया पर वर्चस्व रखने वाले पुतिन ने अपनी सुविधा का लोकतंत्र गढ़ा। यही वजह है कि पांचवीं बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे पुतिन का राष्ट्रपति बनना अटल सत्य था। उनके सामने जो तीन उम्मीदवार थे, कहा जाता है कि उन्हें क्रेमलिन की ओर से ही खड़ा किया गया था। वे पुतिन की तारीफ में कसीदे पढ़ते देखे गए। वह बात अलग है कि कुल वोट का 87 फीसदी हिस्सा मिलने के बाद पुतिन ने कहा कि रूसी लोकतंत्र कई पश्चिमी देशों के लोकतंत्र से ज्यादा सशक्त है। लेकिन जैसा कि पश्चिमी जगत आरोप लगाता रहा है कि पुतिन ने अपने तमाम विरोधियों को ठिकाने लगा दिया था और वास्तविक युद्ध विरोधियों को चुनाव लड़ने की इजाजत तक नहीं दी गई। वे उनके सशक्त विरोधी रहे एलेक्सी नवेलनी की हालिया संदिग्ध मौत को इसी कड़ी का हिस्सा बताते हैं। नवेलनी समर्थकों ने रूस के शहरों व पश्चिमी देशों में रूसी दूतावासों के बाहर विरोध स्वरूप प्रतीकात्मक रूप से मतदान किया। उनका मानना रहा है कि रूस में एक भी प्रत्याशी ऐसा नहीं था, जिसकी विश्वसनीयता मानी जा सके। वहीं पश्चिमी देश कुछ लोगों की गिरफ्तारी का भी आरोप लगाते हुए कहते हैं कि चुनाव स्वतंत्र, पारदर्शी व निष्पक्ष नहीं रहा। दूसरी ओर जर्मनी जहां इन चुनावों को सेंसरशिप के बीच छद्म चुनाव बता रहा है,वहीं ब्रिटेन का आरोप है कि रूस द्वारा यूक्रेन के अधिकृत इलाकों में अवैधानिक तरीके से चुनाव कराए गए।

निस्संदेह, साम्यवादी व्यवस्था वाले देशों में पूंजीवाद का भय दिखाकर राष्ट्रवाद की चाशनी में जिस तरह के लोकतंत्र को परिभाषित किया जा रहा है, उसकी बानगी हमारे पड़ोसी देश चीन में भी नजर आती है। जहां सत्ता से जुड़े प्रतिष्ठानों व सेना पर अधिकार करके मनमाफिक कार्यकाल के लिये चुनावों का प्रपंच रचा जाता है। सही मायनों में उस चुनाव का वास्तविक लोकंतत्र से कोई लेना–देना नहीं होता। बल्कि निरंकुश सत्ता को तार्किक बनाने की कवायद में लोकतंत्र का प्रहसन ही किया जाता है। दरअसल, निरंकुश सत्ताधीश सरकारी सूचना माध्यमों पर वर्चस्व कायम कर और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाकर सूचना के तमाम स्वतंत्र स्रोतों का प्रवाह बंद कर देते हैं,जिससे वास्तविक सूचना व लोकतांत्रिक आजादी से लोग वंचित रह जाते हैं। ऐसा नहीं है कि यूक्रेन में जारी दो साल लंबे युद्ध में रूस ने बड़ी कीमत न चुकायी हो, लेकिन सूचना माध्यमों से युद्ध में बढ़त के तौर पर दर्शाया जा रहा है। यह विडंबना ही है कि उग्र राष्ट्रवाद के नाम पर निरंकुश सत्ताओं को पोषण का अनवरत सिलसिला दुनिया के तमाम देशों में जारी रहा है। विडंबना यही है कि सामाजिक मूल्यो में गिरावट, सत्ता लोलुपता और दोहरे मापदंडों से जहां वास्तविक लोकतंत्रों की स्थापना कठिन होती है, वहीं महत्वाकांक्षी और सशक्त नेता इसी लोकतंत्र को अपनी ताकत में बदल देते हैं। उनकी सत्ताएं इसी छद्म लोकतंत्र के सहारे ही आगे बढ़ती हैं। आधुनिक तकनीक व सूचना माध्यमों पर उनका वर्चस्व सही मायनों में वास्तविक लोकतंत्र स्थापित करने के मार्ग में बाधक बन जाता है। प्रतिरोध में उठे कुछ बुलंद स्वर कभी–कभी ये अहसास कराते हैं कि अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ। कुदरत के नियम अपनी जगह होते हैं। ये घटनाक्रम दुनिया भर के लोकतंत्र में विश्वास करने वालों के लिये भी सबक होते हैं कि लोकतंत्र का भविष्य नागरिकों की जागरूकता, जवाबदेही और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। उनकी उदासीनता पारदर्शी व सशक्त लोकतंत्र के विकास में बाधक होती है। सही मायनों में लोकतंत्र की सार्थकता चुनाव प्रक्रिया में सबको समान अवसर देने में है।

किसानों को मिले गारंटीशुदा कीमत

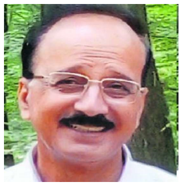

—देविंदर शर्मा—

सबसे पहले, अच्छी खबर। राजनीति को एक तरफ रखते हुए, छत्तीसगढ़ के किसानों के पास खुश होने के लिए पर्याप्त कारण हैं। गत 12 मार्च को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य के 24.72 लाख धान किसानों के बैंक खातों में 13,320 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। यह राशि धान किसानों को कमीपूरक भुगतान के रूप में देय थी। पिछले चुनावों से पहले किए गए वादे के अनुसार, सत्तारूढ़ भाजपा ने खरीफ 2023–24 सीजन के लिए कॉमन ग्रेड धान के लिए 2,183 रुपये प्रति क्विंटल और ए ग्रेड धान के लिए 2,203 रुपये के खरीद मूल्य पर प्रत्येक किसान से 21 क्विंटल धान खरीदा था।

3,100 रुपये प्रति क्विंटल के खरीद मूल्य के वादे और केंद्र द्वारा एमएसपी मूल्य पर खरीद के वादे के बीच 917 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर अब किसानों के खाते में डाल दिया गया है। यानी प्रतिवर्ष औसत किसान की आय में 1 लाख रुपये की वृद्धि होगी। इस साल लगभग 147 लाख टन की रिकॉर्ड खरीद के साथ, किसान निश्चित रूप से बहुत उत्साहित हैं। हालिया स्थितिजन्य आकलन सर्वे के अनुसार, छत्तीसगढ़ में एक किसान परिवार की औसत मासिक आय 9, 677 रुपये है। इसलिए प्रतिवर्ष करीब 1 लाख रुपये की अतिरिक्त आय किसान परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण छलांग है।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा गत 14 मार्च को नई दिल्ली में संपन्न किसान महापंचायत ने सभी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग को जारी रखने का संकल्प लिया है। स्वामीनाथन के सी2़50 प्रतिशत फार्मूले के अनुसार एमएसपी की गणना की मांग के मुकाबले, छत्तीसगढ़ सरकार ने 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का खरीद मूल्य का भुगतान किया है, जो असल में डॉ. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय किसान आयोग द्वारा की गयी सिफारिश से भी अधिक है। दूसरी ओर, किसान यूनियनें कहती रही हैं कि कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) द्वारा तय किए गए एमएसपी 2,183 रुपये प्रति क्विंटल पर देशभर में धान की खरीद 2़50 प्रतिशत फार्मूले के जरिये की जाती है। ए2 जेब खर्च है जो किसानों द्वारा फसल उत्पादन में खर्च होता है और एफएल का मतलब पारिवारिक श्रम की आंकी गयी लागत के रूप में है।

लेकिन अगर एमएसपी को स्वामीनाथन के सी2़50 प्रतिशत के फार्मूले (सी2 का मतलब व्यापक लागत) के अनुसार तैयार किया जाता है, तो खरीफ 2023–24 सीजन के लिए धान की कीमत 2,886.50 रुपये प्रति क्विंटल बन जाती है। छत्तीसगढ़ सरकार ने वास्तव में इस विपणन सीजन में धान किसानों को जो भुगतान किया है, वह सी2़50 प्रतिशत की सिफारिश के बराबर नहीं है, बल्कि वास्तव में सी2़60 प्रतिशत से अधिक बनता है। यह बढ़ी हुई कीमत राज्य चुनावों से पहले एक रस्साकशी का नतीजा है। इस होड़ में आगे रहने की कोशिश में, कांग्रेस ने 3,200 रुपये प्रति क्विंटल पर धान खरीदने का वादा किया था, प्रत्येक किसान से 20 क्विंटल खरीद के साथ, जबकि भाजपा ने 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का वादा किया था, लेकिन प्रत्येक एकड़ से खरीदे गए 21 क्विंटल के लिए कीमत सुनिश्चित की थी। यहां पिछली कांग्रेस सरकार के प्रति निष्पक्ष होने के लिए, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि छत्तीसगढ़ देश के बाकी भागों, केरल को छोड़कर, के मुकाबले धान की काफी अधिक कीमत चुका रहा था। साल 2022–23 खरीफ सीजन के लिए, भूपेश बघेल की सरकार ने किसानों को खरीद मूल्य के अतिरिक्त 9000 रुपये प्रति एकड़ की इनपुट सब्सिडी का भुगतान किया था।

आगामी महीनों में, छत्तीसगढ़ में धान किसानों को दिये जाने वाले ऊंचे रेट अन्य जगहों पर धान किसानों के एकजुट होने के लिए एक मुद्दा बन जाएंगे। यह देखते हुए कि हर साल 23 फसलों के लिए घोषित एमएसपी पूरे देश में एक समान है, मांग यह होगी कि छत्तीसगढ़ मॉडल के सी2़60 प्रतिशत के आधार पर धान की कीमत में एकरूपता लाई जाए। रोचक यह है कि धान के लिए प्रदान किये जा रहे एमएसपी और सी2़50 लागत, जिसकी मांग किसान यूनियनें कर रही हैं, के बीच अंतर प्रति क्विंटल 683.5 रुपये बनता है। किसान यूनियनें कहती हैं कि औसत उपज 25 क्विंटल प्रति एकड़ मानते हुए, अगर धान स्वामीनाथन के मूल्य निर्धारण फार्मूले पर खरीदा जाता है तो इसका मतलब होगा किसानों के लिए अतिरिक्त 17,075 रुपये प्रति एकड़, खासकर पंजाब जैसे राज्य में, जहां मंडियों में पूरी फसल की आवक होती है। लेकिन छत्तीसगढ़ में धान के रेट (सी2़60) के हिसाब से देखें तो मौजूदा एमएसपी के साथ अंतर जिस पर केंद्र सरकार द्वारा खरीद की गयी है, वह तुलनात्मक रूप से 917 रुपये प्रति क्विंटल है।

छत्तीसगढ़ की कीमतों का मतलब है धान के रेट में तुलनात्मक तौर पर सी2़50 लागत से प्रति क्विंटल 234 रुपये अधिक की बढ़ोतरी। बहरहाल, धान की अधिक कीमत ने किसानों की आशाओं–आकांक्षाओं को जगा दिया है। किसान कह रहे हैं कि अब वे अपने बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर अधिक खर्च करने में सक्षम होंगे, बाजार भी उत्साह से भरे हुए हैं।छत्तीसगढ़ में विभेदकारी मूल्य तंत्र के जरिये किसानों को किया जा रहा अधिक भुगतान मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों के लिए राहतकारी है, जो लगातार स्वामीनाथन फार्मूले के मुताबिक एमएसपी बढ़ाने पर बाजार विकृति वाला तर्क देते रहे हैं, और अब छत्तीसगढ़ मॉडल द्वारा कायम किये जा रहे नए बेंचमार्क के साथ तो और भी अधिक। वे नहीं चाहते कि एमएसपी बढ़ाया जाए क्योंकि यह उनके दावे के अनुसार बाजारों को विकृत कर देगा, लेकिन अगर राज्य सरकार को भावांतर कीमत के रूप में मूल्य अंतर का भुगतान करना पड़े तो वे खुश हैं। वास्तव में, अर्थशास्त्री नहीं चाहते कि कार्पोरेट और एग्रीबिजनेस कंपनियां कृषि पदार्थों के लिए अधिक कीमत अदा करें।

मेरे विचार में, यह अनुचित है और इसे पॉलिसी के तौर पर लागू नहीं करना चाहिये। यूरोपीय किसानों द्वारा हाल ही में व्यक्त क्षोभ, जिसमें बीते कुछ हफ्तों में 24 देशों के किसानों ने अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन किया, से स्पष्ट रूप से सामने आया कि जर्मनी में कृषि वाहनों के लिए डीजल सब्सिडी जैसे इन प्रोत्साहनों को किसी भी स्तर पर राजकोषीय कठिनाइयों या पर्यावरणीय कारकों का हवाला देते हुए वापस लिया जा सकता है। इसलिए एक गारंटीशुदा कीमत की ही जरूरत है।

बाजार से फसल उपज की सही कीमत देनी चाहिए। इसे कृषि उपज के लिए कम भुगतान करके और कृषि आय में नुकसान को बजटीय मदद द्वारा कवर करने के लिए छोड़ देने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। पहले से ही दुनिया की 54 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में किसानों के लिए उत्पाद मदद के रूप में प्रति वर्ष 851 बिलियन डॉलर से अधिक खर्च कर रही है ताकि कमी की भरपायी हो सके। यह अर्थव्यवस्थाओं पर बोझ है जबकि कृषि व्यवसाय से जुड़ी कंपनियां बड़े आराम से धन अर्जित कर रही हैं। ऑक्सफैम के अनुसार, दुनिया में बीते कुछ वर्षों में 68 नए खाद्य अरबपति बने हैं, जिन्हें फूड बैरन कहा जाता है। यह कहना कि उच्च एमएसपी के चलते मुद्रास्फीति अधिक हो जाएगी और बाजारों को विकृत कर देगी, और कुछ नहीं बल्कि जनता में डर पैदा करने का एक प्रयास है। महामारी वर्ष 2020 से शुरू हुए पिछले तीन वर्षों में, कॉर्पोरेट पर रिकॉर्ड मुद्रास्फीति के भंवर के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार होने का आरोप लगाया गया है। यहां तक कि आईएमएफ भी स्वीकार करता है कि मुद्रास्फीति में कॉर्पोरेट मुनाफे का हिस्सा, जिसे कॉर्पोरेट लालच के रूप में जाना जाता है, 40 प्रतिशत से अधिक है। कुछ लोग इसे ग्रीडफ्लेशन यानी लालच स्फीति कहते हैं।

जरूरतों में उलझी राजनीति के दांव पेच

—मंगत राम पासला—

2024 का लोकसभा चुनाव निर्णायक रूप से भारत के भविष्य की दिशा तय करेगा। इस चुनाव में मतदाताओं को न सिर्फ नई सरकार चुननी है, बल्कि उन्हें यह जनादेश भी देना है कि देश की राजनीतिक और सामाजिक संरचना क्या होगी और आर्थिक नीतियों की रूपरेखा क्या होगी? जो राजनीतिक दल भारत में एक पारदर्शी, जनता के प्रति जवाबदेह, जनहित के प्रति संयमित और संविधान के प्रति वफादार सरकार स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों का चयन करते समय यह ध्यान रखना होगा कि वे लोग इस पर खरे उतरें।

यहां तक कि नैतिक–अनैतिक तरीके से चुनाव जीतना भी उम्मीदवार बनाने की कसौटी नहीं होनी चाहिए, बल्कि अतीत में समाज की भलाई के लिए व्यक्ति द्वारा निभाई गई भूमिका और उसकी ईमानदार जीवनशैली को ध्यान में रखा जाना चाहिए। जैसा कि अतीत में धन और सत्ता की लालसा के तहत रातों–रात राजनीतिक वफादारी बदलने का दौर चलता रहा है, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बहुत हानिकारक है। भारतीय राजनीति के भीतर विचारधारा और राजनीतिक नैतिकता दिन–ब–दिन नकारात्मक होती जा रही है और अवसरवादी तत्व अपने निहित स्वार्थों के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट कर रहे हैं। आगामी लोकसभा चुनाव इस पहलू को सुधारने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है।

चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले भारत के चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का नाटकीय ढंग से इस्तीफा और राष्ट्रपति द्वारा तत्काल स्वीकार किया जाना असाधारण राजनीतिक परिस्थितियों का द्योतक है। इसी प्रकार, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चुनाव आयोग को आम जनता की जानकारी के लिए ‘चुनावी बांड’ के माध्यम से दिए गए धन का खुलासा करने के सर्वोच्च न्यायालय के दिए गए निर्देश का निर्धारित समय सीमा के भीतर सूचित करने से इन्कार करना भी एक बहुत ही गंभीर मामला है। देश के 2 प्रमुख राजनीतिक गठबंधनों, भाजपा के नेतृत्व में एन.डी.ए. और गैर–भाजपा राजनीतिक पार्टियों के ‘इंडिया’ फ्रंट ने चुनावी गतिविधियां तेजी से शुरू कर दी हैं।

उम्मीदवारों का चयन, रैलियां, यात्राएं और सोशल मीडिया के जरिए प्रचार शुरू हो गया है। चुनावी खर्च के लिए हर तरह से वित्तीय संसाधन जुटाए जा रहे हैं। निरूसंदेह, चुनाव व्यय कानून के अनुसार निर्धारित सीमाओं का उल्लंघन होगा और चुनाव आयोग के निर्देशों के विपरीत चुनाव जीतने के लिए धर्म, जाति और धन का दुरुपयोग भी किया जाएगा। हालांकि, जहां तक संभव हो, समग्र रूप से मतदाताओं को संभावित चुनाव धांधली और अनियमितताओं पर सतर्क नजर रखनी चाहिए और बिना किसी प्रलोभन या भय के अपने विवेक से अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।

सरकारों के लिए आध्थक विकास के लिए विभिन्न परियोजनाएं शुरू करना और लोगों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए धन उपलब्ध कराना कोई खैरात नहीं है, न ही यह किसी व्यक्ति या पार्टी विशेष की निजी सम्पत्ति में हिस्सेदारी है। इसका एक खतरनाक पहलू यह है कि किसी भी परियोजना या योजना की घोषणा या उद्घाटन संबंधित विभाग के मंत्री द्वारा नहीं किया जाता है, बल्कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है। इस प्रकार सार्वजनिक परम्पराओं एवं सामूहिक उत्तरदायित्वों के स्थान पर ‘सत्तावादी’ प्रवृत्तियां अभिव्यक्त होती हैं।

हर परियोजना और योजना का बजट आम जनता के खून–पसीने की कमाई से जुटाए गए करों से जुड़ा होता है, जिसे सरकारें चुनावों में फायदा उठाने के लिए खूब प्रचारित करती हैं। मतदाताओं को कभी भी इस दुष्प्रचार में नहीं फंसना चाहिए और अपने मत का सही प्रयोग करना चाहिए। मतदान के समय मतदाताओं को यह ध्यान रखना होगा कि नई सरकार को उन लोगों के प्रति मित्रतापूर्ण भूमिका निभानी चाहिए जो पिछड़े देशों की स्वतंत्रता को कमजोर करने वाले साम्राज्यवाद–विरोधी और आक्रामक कार्यों के खिलाफ लड़ रहे हैं।

भारत को दुनिया के सभी देशों के साथ समानता के आधार पर व्यापार और लेन–देन करने का पूरा अधिकार है। लेकिन अमरीका के साथ भारत के सैन्य गठबंधन हर तरह से भारतीय हितों की बलि चढ़ा रहे हैं। यह लोगों के लिए जीवन और मृत्यु का प्रश्न भी है कि क्या भारत के वर्तमान धर्मनिरपेक्ष, लोक राज और संघीय ढांचे को बनाए रखा जाए या इसके स्थान पर किसी विशेष धर्म पर आधारित लोक राज एकात्मक प्रणाली लागू की जाए।

क्या बहुधार्मिक, बहुराष्ट्रीय, बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक भारतीय फुलवारी को एक खास धर्म, विचारधारा और राजनीतिक रंग में रंगना लोगों के हितों के लिए घातक नहीं होगा? क्या धार्मिक कट्टरता, आपसी अविश्वास, संघर्ष और असहिष्णुता के कारण देश में बना ङ्क्षहसक, साम्प्रदायिक माहौल अशांति और कलह को जन्म नहीं देगा? ऐसा करने से देश की एकता और अखंडता पर पडने वाले नकारात्मक प्रभाव को भी ध्यान में रखना होगा। मतदाता को अपने मत का प्रयोग करते समय देश के व्यापक हितों की रक्षा और मजबूती को प्राथमिकता देनी होगी। धर्म के आधार पर बनी राजनीतिक–सामाजिक संरचना न केवल अपने उदार विचारों और प्रथाओं के लिए जानी जाने वाली बहुसंख्यक हिन्दू आबादी, धार्मिक अल्पसंख्यकों, दलितों, महिलाओं और प्रगतिशील विचारकों के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है, बल्कि तथाकथित धार्मिक राज्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करेगी।

दुनिया के सामने भारत की स्थिति बेहद कमजोर और हास्यास्पद न हो जाए इसलिए यह बात हर मतदाता की सोच का केन्द्र बिन्दू होनी चाहिए कि भविष्य में बनने वाली सरकार को इन सवालों के प्रति संवेदनशील और गंभीर होना चाहिए। अगर हम भी पाकिस्तान के बाशिंदों की तरह एक बार धार्मिक आस्था के वेग में बहकर देश की राजनीति को खास धर्म के साथ जोडने का आत्मघाती फैसला ले लें तो हम भारत में शायद कई सदियों तक मनुष्य के हाथों मनुष्य की लूट के खात्मे वाला, समानता, आजादी और सद्भावना के नियमों पर आधारित देश न बना सकें। एक राजनीतिक गलती भारी उथल–पुथल और तूफान का कारण बन सकती है। इन खतरों से सचेत होकर ही वोट का प्रयोग करना चाहिए। एक ओर चिंताजनक रूप से बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, कुपोषण, दयनीय जीवन स्थितियां और सामाजिक सुरक्षा का अभाव तथा दूसरी ओर मुट्ठी भर कॉर्पोरेट घरानों और अमीर दिग्गजों की सम्पत्ति की वास्तविकताएं, नई सरकार के लिए बड़ी चुनौतियां हैं।

कार्पोरेट घरानों का जो 15 लाख करोड़ का कर्ज माफ किया गया है, उसका उपयोग वास्तविक जरूरतमंदों यानी आम लोगों का कर्ज माफ करने और पूरी आबादी को एक समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में किया जा सकता था। चुनाव के समय मतदाताओं को वर्तमान भाजपा सरकार और गैर–भाजपा राजनीतिक दलों की आध्थक नीतियों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। कॉमन फ्रंट ‘इंडिया’ द्वारा प्रस्तावित भविष्य के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। यह आम चुनाव 1.4 अरब लोगों के देश में 10 फीसदी से ज्यादा मजदूर–किसान, मध्यम वर्ग के लोग, युवा, छोटे लोगों के लिए है। वोट का प्रयोग धर्म, जाति, नस्ल या भाषा या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि देश को अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय तौर पर सुदृढ़ करने हेतु होना चाहिए।

अति उत्साह भाजपा का संकट न बन जाय

—राकेश सैन—

एक कहानी है, देवराज इन्द्र के गजराज अक्सर गन्ने खाने के लिए पृथ्वीलोक पर एक खेत में आते थे। उस खेत का मालिक बहुत परेशान था, क्योंकि फसल का नुकसान तो होता परन्तु उसे चोर के कहीं पदचिन्ह नहीं मिलते। एक रात गुस्साया किसान चोर को पकड़ने के लिए खेत में छिप कर बैठ गया, जब गजराज धरती पर उतरे तो किसान ने उस एरावत की पूंछ पकड़ ली। गजराज घबरा गए और जान बचाने के लिए तुरन्त इन्द्रलोक की ओर उड़ लिए और उसके साथ–साथ किसान भी पूंछ पकड़े उड़ चला। गजराज को चिन्ता हो गई कि जीवित व्यक्ति स्वर्गलोक पहुंचा तो सारी मर्यादा भंग हो जाएगी, तो उसने अपनी पूंछ मुक्त करवाने के लिए खूब मेहनत की। गजरात उड़ते–उड़ते कभी उल्टा–पुल्टा हुए तो कभी शरीर को झटकाया, लेकिन ज्यों–ज्यों झटके लगे किसान की पकड़ त्यों–त्यों मजबूत होती जाए। अब गजराज ने युक्ति से काम लिया और रणनीति बदली। उसने किसान से बातचीत करनी शुरू कर दी। एरावत ने पूछ लिया कि तुम इतने मीठे गन्ने उगाते कैसे हो? अपनी बड़ाई सुन फूल कर कुप्पा हुए किसान ने सारी तकनीक बता दी। बातचीत करते–करते दोनों में मित्रता हो गई। मौका देख कर एरावत ने कहा, आज तक जितने गन्ने मैंने तुम्हारे खेत के खाए हैं चलो मैं महाराज इन्द्रदेव से बोल कर उतना सोना तुम्हें पुरस्कार में दिलवा देता हूं। सोने का नाम सुनते ही किसान इतना खुश हुआ कि ताली बजाने लगा, उसने जैसे ही ताली बजाने के लिए हाथ खोले तो धड़ाम से धरती पर आ गिरा और गजराज महोदय स्वर्गलोक को प्रस्थान कर गए। जो किसान हाथी के साथ संघर्ष के समय विकट परिस्थितियों में भी उसकी पूंछ पकड़े रहा वह अनुकूल परिस्थिति होते ही धड़ाम से धरती पर आ गिरा। प्रतिकूल परिस्थितियों के खतरे तो सर्वज्ञात हैं परन्तु कहानी बताती है कि अनुकूल हालात भी खतरे से खाली नहीं होते, प्रतिकूल हालातों में इंसान संघर्ष करता है परन्तु महौल बदलेत ही अक्सर असावधान हो जाता है और यहीं चूक कर जाता है।

देश में लोकसभा चुनावों का शंखनाद हो चुका है। आज परिस्थितियां सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पक्ष में बताई जा रही हैं। वर्तमान में द्रुत गति से हो रहा विकास, कुलांचे भरती अर्थव्यवस्था, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को लक्ष्य बना अग्रसर हो रहा भारत व विदेशी कूटनीतिक मोर्चों पर देश को मिलती सफलता या बात करें सांस्कृतिक उत्थान और साम्प्रदायिक सौहार्द की, तो थोड़ी बहुत नुक्ताचीनी के बाद कमोबेश हर विरोधी भी मान रहा है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल अच्छा रहा है। इन परिस्थितियों से ही तो उत्साहित हो कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार चार सौ पार का उत्साही नारा दिया है, सत्ताधारियों की दृष्टि से हर कहीं बम–बम है, बस यहीं से शुरू हो सकता है अनुकूल परिस्थिति के खतरे पैदा होने का क्रम। अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था, अर्थव्यवस्था व विकास तब भी मृगझुण्डों के साथ चुंगियां भरने की स्पर्धा कर रहे थे परन्तु पार्टी की दृष्टि से परिणाम निराशाजनक रहे। छोटे–छोटे दलों को साथ लेकर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्षा सोनिया गान्धी ने राजग को ऐसी पटकनी दी कि अगले दस साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में रही।

पुलिस ने चार वारंटियों को गिरफ्तार किया

संवाददाता–श्रावस्ती। वारंटियों की धरपकड़ के लिए मंगलवार को सोनवा व गिलौला थाने की पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी। इस दौरान सोनवा पुलिस ने दो वारंटियों व गिलौला पुलिस ने दो वारंटियों समेत कुल चार वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार वारंटियों में मूसे पुत्र गोबरे निवासी बरदेहरा भारीगांव, रामकरन पुत्र पुत्तीलाल निवासी पुरखियापुर, दयाराम पुत्र परमेश्वर व ननके पुत्र पुत्ती निवासीगण निबियनपुरवा शामिल रहे। पकड़े गए सभी को जेल भेज दिया गया।

आचार संहिता के उल्लंघन पर हो सख्त कार्रवाई –डीएम

संवाददाता–गोण्डा। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम नेहा शर्मा ने अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि आचार संहिता के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने यातायात प्रबंधन को लेकर एआरटीओ को निर्देश दिए की पहले से ही सभी वाहनों की व्यवस्था कर ली जाए ताकि पोलिंग पार्टियों को रवाना करने में कोई परेशानी ना आए। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में वाहन के माध्यम से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के पर्याप्त निर्देश दे दिए जाए। इसके अलावा मीडिया में छपने वाली खबरों और विज्ञापनों की निगरानी की बात कही। कहा कि आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले किसी भी कंटेंट के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

डीईओ ने एसडीएम को निर्देश दिए कि सभी बूथों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं को उपलब्ध कराने की तैयारी कर लें। जिन बूथों पर साइनेज ना बने हो, वहां पर साइनेज बनवाया जाए। इसके अलावा स्पेशल बूथ बनाने, फार्म के डिस्पोजल, स्वीप कार्यक्रम आदि को लेकर अधिकारियों का निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग, दुग्ध विभाग, युवा कल्याण विभाग एवं अन्य विभागों को अपने स्तर से मतदाताओं को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम चंद्रशेखर, सीआरओ महेश प्रकाश, एएसपी मनोज कुमार रावत, सिटी मजिस्ट्रेट विजय शर्मा, एआरटीओ व सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हैंडबिल –पंपलेट पर नाम, संख्या व पता की जानकारी जरूरी रू डीईओ/डीएम ने कहा कि जिले के सभी प्रिंटिंग प्रेस अपने यहां छपने वाले राजनीतिक हैंडबिल पम्पलेट सहित अन्य प्रचार सामग्री की सूचना जिला प्रशासन को जरूर उपलब्ध करायें। राजनीतिक हैंडबिल और पम्पलेट पर उनकी संख्या, नाम और पता आदि जरूर होना चाहिए। यदि किसी प्रेस प्रिंटर्स की लापरवाही नजर आती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मामूली विवाद में दुकान में घुस कर मारपीट, दो घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। सड़क पर बाइक खड़ी करने को लेकर दुकानदार से एक व्यक्ति की झड़प हो गई। तीन दिन बाद दबंगों लोगों ने चेहरा ढक कर दुकान में घुस कर मारपीट करते हुए दुकान से रुपए लूट लिए। दबंगों के मारपीट में व्यापारी पुत्र व एक अन्य दुकानदार को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

कस्बा इकौना मोहल्ला आजाद नगर निवासी बनारसी लाल गुप्ता पुत्र शिवदीन प्रसाद गुप्ता की रजिस्टर्ड जीएसटी की दुकान है। तीन दिन पूर्व दुकान के सामने एक व्यक्ति ने बाइक खड़ी कर दी थी। इस दौरान एक पिकअप वाहन निकला तो बाइक में ठोकर लग गई। इस पर दोनों वाहन चालकों में विवाद होने लगा। दुकानदार बीच बचाव कराने लगा। इस पर किसी ने इकौना पुलिस को सूचना दी तो पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी पिकअप का शीशा तोड़ते हुए मौके से फरार हो गया। इसी बात को लेकर सोमवार शाम को बहराइच जनपद थाना विशेश्वरगंज ग्राम असनहवा ललित नगर निवासी एक व्यक्ति 20 अन्य साथियों के साथ मुंह में गमछा बांधकर लाठी डंडा लेकर दुकान पर आ गए। बनारसी लाल गुप्ता का लड़का आशीष उर्फ सत्यम दुकान पर बैठा था। इसके साथ ही पड़ोस की दुकान पर भतीजा सचिन बैठा था। लाठी डंडों से लैस लोगों से दोनों पर हमला कर दिया। शोरगुल सुन कर बगल के पान दुकानदार पंकज पुत्र दुर्गा प्रसाद बीच बचाव करने आया तो उसे भी मार पीट कर घायल कर दिया। चिल्लाने से तमाम लोग इकट्ठा हो गए। लेकिन तब तक पंकज व आशीष गंभीर रूप से घायल होकर दोनों खून से लथपथ हो गए। दबंगो ने दुकान में रखा काउंटर, मोटरसाइकिल, प्लास्टिक कुर्सी तोड़ डाली और दराज तोड़ कर रुपए काउंटर से लूट लिया और ध मकी देते हुए भाग गए। घायलों को लेकर परिजन इकौना थाना पहुंचे। पीड़ित पिपिरमेंट दुकानदार बनारसी लाल गुप्ता पुत्र शिवदीन प्रसाद गुप्ता मोहल्ला आजाद नगर थाना इकौना की ओर से ग्राम ललित नगर असनहवा थाना विशेश्वरगंज जनपद बहराइच निवासी एक नामजद व 20 अन्य लोगों के विरुद्ध दुकान में घुसकर मारपीट करने, तोड़फोड़ एवं लूटपाट करने की तहरीर दी गई है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर घटनास्थल की जांच की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हादसे में नवाबगंज के अधेड़ की मौत

संवाददाता–गोण्डा। अयोध्या जिले में जुबेरगंज बाजार के निकट फोरलेन हाईवे पर मंगलवार सुबह लगभग 6 बजे रोडवेज बस के जोरदार टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गयी।

हादसे में काल का शिकार हुए ट्रैक्टर चालक विनोद सिंह 48 पुत्र चन्द्रवीर सिंह नवाबगंज थाना क्षेत्र के ब्यौंदा उपरहर गांव के रहने वाले थे। वह मंगलवार की सुबह अयोध्या के सोहावल क्षेत्र से ट्रॉली पर बालू लादकर ट्रैक्टर चलाते हुए अपने गांव लौट रहे थे। घटना की सूचना घर पहुँचते ही घर में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी और बेटे चीखने–चिल्लाने लगे। दोपहर बाद परिवार के लोग अयोध्या के मर्चरी से शव को घर ले आए। देर शाम मृतक का अंतिम संस्कार सरयू के तट पर कर दिया गया। विनोद के दो बेटे और एक बेटी हैं। वह खेती के जरिए अपने परिवार का भरण पोषण करता था।

श्रावस्ती लोकसभा में सियासी पिच तैयार, सूरमाओं का इंतजार

संवाददाता–बलरामपुर। भारत नेपाल सीमा से सटी श्रावस्ती लोकसभा में सियासी रण सजकर तैयार हो गया है। अब लड़ने वाले सूरमाओं का इंतजार है। पांच विधानसभाओं वाली इस लोकसभा में अब तक सत्ता रूढ़दल भाजपा ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है। शेष किसी दल ने अपना पत्ता नहीं खोला है। जहां एक ओर सपा और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी पर लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं। वहीं बहुजन समाज पार्टी के मास्टर स्ट्रोक पर भी लोगों की नजरें हैं।

श्रावस्ती लोकसभा 2009 में वजूद में आई थी। जिसके बाद इसमें श्रावस्ती की दो विधानसभा भिनगा और श्रावस्ती तथा बलरामपुर तीन विधान सभा बलरामपुर सदर, तुलसीपुर और गैंसड़ी को शामिल किया गया। 2009 के पूर्व यह बलरामपुर संसदीय क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। जहां से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी ने 1957 में पहला चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। इसी तरह से कांग्रेस की अति प्रतिष्ठित लीडर सुभद्रा जोशी को भी 1962 में यहां से लोकसभा में पहुंचने का मौका मिला था। 1977 में राष्ट्र ऋषि भारत रत्न नानाजी देशमुख ने यहां से राजमाता बलरामपुर को चुनाव हराकर संसद पहुंचे थे। यहां यह बताना जरूर है कि राजमाता की हार के बाद कभी भी राज परिवार राजनीति में नहीं आया। यह तो बात इतिहास की थी। अब लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है। छठवें चरण यानि 25 मई को बलरामपुर में मतदान होगा। श्रावस्ती लोकसभा की सियासी पिच तैयार है। अगर किसी बात का इंतजार है तो इस पिच पर बैटिंग करने वाले उम्मीदवारों की। भाजपा ने सबसे पहले साकेत मिश्र को यहां से प्रत्याशी बनाया। सत्ता रूढ़ दल भाजपा चुनाव को लेकर जोरशोर से जुटी हुई है। क्योंकि 2019 में भाजपा प्रत्याशी दद्दन मिश्र को सपा बसपा गठबंधन प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा से पांच हजार के मामूली वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी इसे दोहराना नहीं चाहती है। लिहाजा लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक, जिला प्रभार व संगठन के लोग क्षेत्रों में बूथ और मंडलवार बैठक कर आवश्यक रणनीति बना रहे हैं। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल और क्षेत्रीय अध्यक्ष अवध कमलेश मिश्र भी कार्यकर्ताओं को मूल मंत्र दे चुके हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि श्रावस्ती लोकसभा का किला भेदने के लिए सपा कांग्रेस गठबंधन से कौन प्रत्याशी होगा। यह प्रत्याशी आने के बाद जहां स्थिति काफी हद तक साफ होगी, वहीं राजनीति के जानकारों की मानें तो बसपा के मास्टर स्ट्रोक का भी इंतजार करना होगा। श्रावस्ती लोकसभा से सपा गठबंधन के प्रत्याशियों के नामों की लम्बी फेहरिस्त है। किसे टिकट मिलेगा अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। फिलहाल पूर्वांचल के बाहुबली नेता स्व. हरिशंकर तिवारी के पुत्र पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं। इसके अलावा पूर्व विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू, भिनगा विधायक इंद्राणी वर्मा, अभिषेक मिश्र तथा गोण्डा के बहुचर्चित नेता मसूद आलम का नाम टिकट पाने वालों में जोर–शोर से लिया जा रहा है। यह नाम सिर्फ संभावनाओं पर हैं। इसके अलावा इनका शीर्ष नेतृत्व क्या निर्णय लेता है, किसे अपना प्रत्याशी बनाता है यह अभी भविष्य के गर्भ में है। श्रावस्ती लोकसभा में बलरामपुर व श्रावस्ती दोनों जनपद शामिल हैं। यह दोनों जनपद भारत नेपाल के अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर बसे हुए हैं। सुरक्षा और विकास की दृष्टि से यह लोकसभा बेहद संवेदनशील मानी जाती है। यहां के लोगों को विकास की भी आस है। आस इसलिए भी है क्योंकि पिछले पांच साल में क्षेत्र की जो दुर्गति लोगों ने देखी है उसका वे लोग सहज अंदाजा लगा सकते हैं। आज भी श्रावस्ती में रेलवे लाइन 2024 तक पूरी होनी थी, उस पर ग्रहण लगा हुआ है। जानकारों की मानें तो पिछले पांच साल में सत्ता रूढ़ दल का सांसद होता तो इन कामों में तेजी आती। इसी तरह से कई बाईपास और केन्द्र सरकार की कई योजनाएं इंतजार कर रही हैं। जानकारों की मानें तो आने वाला लोकसभा चुनाव श्रावस्ती के लिए बेहद अहम होगा। इसी से बलरामपुर और श्रावस्ती जैसे आकांक्षी जनपदों के भविष्य का निर्माण तय होगा। लोकसभा चुनाव को लेकर श्रावस्ती सीट पर विसात बिछ गई है। पिछले चुनावों वाले इस संसदीय क्षेत्र में 19 लाख 72 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सांसद का चुनाव करेंगे। मतदाताओं तक अपनी पैठ बनाने के लिए हर पार्टी के लोग एड़ी से चोटी तक का जोर लगाए हुए हैं। संभावित उम्मीदवार भी मतदाताओं की संख्या का डाटा लेकर समीकरण बनाने में जुटे हुए हैं।

रेल पटरी के किनारे संदिग्ध हालत में मिला किसान का शव

संवाददाता–गोण्डा। सुरसंडा गांव के पास रेल पटरी के पास सोमवार की रात को एक युवक का क्षत विक्षत शव ग्रामीणों ने देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई। युवक खेतों की रखवाली करने के लिए घर से निकला था। पुलिस ट्रेन से कटकर हुई मौत बता रही है। वहीं परिजनों व ग्रामीणों में घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही थीं। पुलिस ने कहा कि पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी। ग्रामीणों ने देखा शव, बुलाई पुलिस रू मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम सुरसंडा के करीब स्थित रेलवे क्रासिंग की ओर से ग्रामीण सोमवार की देर शाम को गुजर रहे थे। अचानक ग्रामीणों की नजर क्रासिंग के समीप रेल पटरी के किनारे एक युवक का क्षत विक्षत हालत में एक शव पड़ा देखा। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक के कपड़ों की तलाशी ली तो उसकी शिनाख्त संजय कुमार निवासी सुरसंडा के रूप में हुई। पुलिस की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजन शव को देख रोने चिल्लाने लगे। संजय कुमार के पुत्र रितेश ने पुलिस को बताया कि उसके पिता शाम को घर से कहकर निकले थे कि वह खेत की रखवाली करने जा रहे हैं। रोजाना की भांति वह चले गए थे। पुलिस ने कहा कि ट्रेन से कटकर मौत का अनुमान है। शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल से विदाई के दौरान भावुक हुई बेटियां

संवाददाता–बलरामपुर। तुलसीपुर तहसील मुख्यालय पर संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय की बेटियों ने रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर आठवीं पास कर चुकी बेटियों को सम्मानित कर विदाई दी।

समारोह के मुख्य अतिथि तुलसीपुर खंड शिक्षाधिकारी स्वामी नाथ ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छठवीं तथा सातवीं की छात्राओं ने आठवीं के छात्राओं को नम आंखों से विदाई दी। आठवीं की छात्राओं ने सहयोगी छात्राओं से अपने अनुभव को साझा करते हुए सदैव मन लगाकर पढ़ाई करने की नसीहत दी। साथ ही शिक्षकों के सम्मान एवं अनुशासन को भी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

बेटियों ने इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर कक्षा आठ से निकल रही छात्राओं को सम्मानित कर विदाई दी। कार्यक्रम में छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, लोक नृत्य, लघु नाटिका आदि कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनके कार्यक्रम को देख मौजूद लोगों ने खूब तालियां बजाई। छात्राओं ने जहां डाल–डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा वह भारत देश है मेरा कार्यक्रम पेश किया तो लोग मंत्रमुग्ध हो गए। खण्ड शिक्षाधिकारी स्वामी नाथ मौर्या ने छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने छात्राओं को शुभकामना देते हुए कहा कि देश में लड़कियां बड़े–बड़े मुकाम हासिल कर रही हैं। आप लोग भी आगे की पढ़ाई जारी रखकर अपने भविष्य को सुनहरा बनाएं। वार्डेन संगीता मिश्रा ने छात्राओं को आगे बढ़कर देश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लेखाकार विशाल श्रीवास्तव, फुल टाइम टीचर ममता पाण्डेय, प्रेमलता प्रजापति, अर्चना, गीता, सुमन, अपर्णा, सैयदाह, सुरेश, कामेश्वर, अनीता, लक्ष्मी, आरती, रन्नो समेत भारी संख्या में छात्राएं व अभिभावकगण मौजूद रहे।

आपसी विवाद से क्षुब्ध पत्नी ने खाया जहरीला पदार्थ रेफर

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना के अंबेडकर नगर मोहल्ला निवासी अखिलेश का पत्नी मनीषा से आए दिन विवाद हुआ करता था। सोमवार देर रात मनीषा ने क्षुब्ध होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। आनन फानन में परिजनों ने महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखकर महिला को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

मार्ग दुर्घटना में अज्ञात महिला की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। गिलौला थाना क्षेत्र के माजरे गांव के पास बीच परिपथ पर सोमवार देर रात मंद बुद्धि महिला को किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पंहुची गिलौला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हॉउस भिनगा भेज दिया है। थाना प्रभारी अश्वनी दूबे ने बताया की महिला की पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों ने बताया है कि महिला इधर उधर घूमा करती थी। महिला की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

स्काउट गाइड को सामाजिक गतिविधियों का मिला प्रशिक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज के बीएड विभाग में चल रहे पांच दिवसीय स्काउट एंड गाइड स्पेशल इंट्रोडक्टरी कोर्स सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें कोर्स के तहत छात्र–छात्राओं को विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियों को साझा करने का अवसर मिला है। प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय की उपस्थिति में विद्यार्थियों का दीक्षांत का कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रो. राघवेंद्र सिंह, प्रो. श्रीप्रकाश मिश्रा, डा. राम रहीस, सीमा सिन्हा एवं अविनाश मिश्रा ने छात्रों का माल्यार्पण कर उन्हें मिष्ठान खिलाया। साथ ही जीवन में सेवा के मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा करने की शपथ दिलाई। स्काउट गाइड की ओर से जिला समन्वय डा. एके सिंह, डीओसी सिराजुल हक व प्रशिक्षक अपर्णा ने विद्यार्थियों को स्कॉर्प पहनाकर दीक्षांत समारोह की सभी औपचारिकताएं पूर्ण कीं। इस दौरा छात्रों ने विभिन्न तरह की प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने का आशीर्वचन दिया। इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार मौर्य, राजनीति शास्त्र विभाग से डा. आशीष कुमार लाल, अतुल कुमार सिंह सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

26 तक छूटे मतदाता अपना नाम दुरुस्त करा सकते हैं –एसडीएम

संवाददाता–बहराइच। थाने में मंगलवार को शांति कमेटी की बैठक हुई। बैठक जिसकी अध्यक्षता एसडीएम अश्विनी पांडेय ने की। उनके साथ तहसीलदार अजय यादव, नायब तहसीलदार शैलेश द्विवेदी, आबकारी इंस्पेक्टर विमल मोहन वर्मा, मंडी सचिव दिनेश कुमार, एसएचओ रुपईडीहा शमशेर बहादुर सिंह व लेखपाल शिवकुमार मौजूद रहे।

एसडीएम ने कहा कि अशक्त मतदाताओं का मत घर घर ही देने की व्यवस्था की जा रही है। मतदाता जागरूकता के लिए पचपकरी में भी व्यवस्था की है। वहां 90 वर्ष के ऊपर के मतदाताओं ने कहा कि बूथ पर ही अपना मत डालेंगे हम चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि 26 मार्च तक जो मतदाता छूट गए हैं, जिनके नाम गलत हैं, वे ठीक हो सकते हैं। बैठक का संचालन करते हुए डॉ. सनत कुमार शर्मा ने कहा कि मस्जिद के सामने यहां होलिका दहन होता है। हिन्दू मुस्लिम सौहार्द है। ईद व होली के संबंध में इस थाना क्षेत्र में कोई समस्या नहीं है। बैठक में रतन कुमार अग्रवाल, प्रधान गब्बर वर्मा, तूफान अली सहित भारी संख्या में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

साथी की हत्या पर शिक्षकों में उबाल, नहीं जांची कापी

संवाददाता–गोंडा। मुजफ्फरनगर जिले में यूपी बोर्ड की उत्तरपुस्तिकाएं पहुंचाने गए वाराणसी के शिक्षक धर्मेंद्र कुमार की हत्या को लेकर अध्यापकों में जबरदस्त आक्रोश है। मंगलवार को शिक्षक संगठनों ने बोर्ड के मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही अफसरों को ज्ञापन सौंप कर आरोपी सिपाही के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की।

डीएम को सौंपा ज्ञापनरू उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह और महामंत्री विजय प्रकाश भारतीय शविद्रोहीश के नेतृत्व में मंगलवार को शिक्षकों ने सीएम से संबोधित ज्ञापन डीएम नेहा शर्मा को सौंपा है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मुजफ्फरनगर में हुई घटना बेहद दुखद है। इससे सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मियों से भी भरोसा उठ जाएगा। कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कराकर आरोपी को कड़ी सजा दी जाए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट ने घटना की निंदा करते हुए मृत शिक्षक की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार रू उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार किया। संगठन के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने शिक्षक के पूरे सेवाकाल तक परिवार को पूरा वेतन दिए जाने की मांग की। राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष गंगा प्रसाद द्विवेदी ने कहा भविष्य में कोई भी शिक्षक कॉपियों को लेकर नहीं जाएगा। प्रधानाचार्य परिषद के जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने कहा कि शिक्षकों से भविष्य में केवल पठन–पाठन का कार्य कराया जाए शेष कार्यों से उन्हें दूर जाए। इस अवसर पर सुरेश कुमार सिंह, शैलेश पटेल, गीता त्रिपाठी, अमित पांडेय, राजकरण वर्मा, हंसराज भारती, ऋषि कुमार शुक्ला, विनय कुमार, अभिजीत कुमार सिंह, श्री नारायण दुबे, सुधीर कुमार, माध्यमिक शिक्षक संघ के संरक्षक बृजेश द्विवेदी, सहदेव सिंह, डॉ. विद्यासागर, एस नंदू, राजेश सिंह, डॉ. मनमोहन सिंह, दिलीप कुमार सिंह, बंशीधर तिवारी, विष्णु जीत सिंह, अफजाल अंसारी, संदीप श्रीवास्तव, सत्यवीर सिंह, रफीउल्लाह सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

वहीं, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (चेतनारायण गुट) से जुड़े शिक्षकों ने मूल्यांकन का बहिष्कार किया। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार पाण्डेय ने मृत शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार की तेरहवीं के एक सप्ताह के अन्दर सभी देयकों का भुगतान कराने की मांग की है। इस दौरान लाल चन्द चौधरी, प्रभाकर सिंह, श्रीचन्द, अमित यादव, अरुण कुमार सिंह, विवेक सिंह, विद्रोही, उत्तम चन्द नगेश, सुरजीत वर्मा, रुद्रेश प्रताप सिंह, हेमन्त श्रीवास्तव, राजेन्द्र श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी महोदय अयोध्या

कम्प्यूटर वाद स.201904230002707

धारा 30 राजस्व संहिता अधिनियम

रामचन्दर बनाम

बनाम

गांवसभा आदि

बनाम–1– गांवसभा हथिगो परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जिला अयोध्या द्वारा ग्राम प्रधान 2– राज्य सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी महोदय अयोध्या 3– राम मिलन पुत्र राम नरेश 4– ठग्गू 5– दशरथदीन 6– श्रवण 7– महेन्द्र 8– धर्मेन्द्र पुत्रगण मातादीन समस्त निवासीगण 3 ता0 8 ग्राम– हथिगो परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जिला अयोध्या

तारीख पेशी 20–03–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 03 के 20 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रुपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

बाबा कृष्ण मोहन दास की 15 वीं पुण्यतिथि पर संतों ने अर्पित की पुष्पांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। बाबा कृष्णमोहन दास आश्रम चंद्रद्वितेश्वर नाथ महादेव मंदिर, रामघाट संस्थापक व अखिल भारत हिंदू महासभा संत प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत कृष्णमोहन दास महाराज को संतों ने भावपूर्ण ढंग से याद किया। मौका था उनके 15वीं पुण्यतिथि महोत्सव का। मंगलवार को मंदिर में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। सभा में रामनगरी के संत–महंत, विशिष्टजनों व हिंदू महासभाइयों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर आश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत रवींद्र दास ने कहा कि उनके गुरुदेव बाबा कृष्णमोहन दास महाराज विलक्षण प्रतिभा के धनी संत थे। जो गौ एवं संत सेवी रहे। जिन्होंने अयोध्याधाम में एक विशाल आश्रम की स्थापना कर उसका कार्यभार संभाला। वह हिंदू महासभा संत प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। पूरे देश में घूम–घूमकर हिंदू महासभा का प्रचार–प्रसार किया। संगठन से काफी नामी–गिरामी संतों को भी जोड़ा। हिंदू महासभा को मजबूती प्रदान करने का काम किया। आजीवन संगठन के प्रति समर्पित रहे। पूरी ईमानदारी के साथ हिंदू महासभा में काम किया। पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। हिंदू महासभा के प्रवक्ता एवं सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी मनीष पांडेय ने कहा कि महाराजश्री द्वारा हिंदू महासभा के प्रति किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने संगठन से सभी को जोड़ा। उन्हीं की देन है कि आज हिंदू महासभा पूरे देश में मजबूती के साथ खड़ी है। इससे पहले आचार्य पंडित करुणानिधान गर्ग के नेतृत्व में सुबह ठाकुरजी का व गुरुदेव का पूजन–अर्चन किया गया। उसके बाद संगीतमय सुंदरकांड का पाठ हुआ। तत्पश्चात फल–मिष्ठान एवं विविध पकवानों का भोग लगाकर भगवान की महाआरती आरती उतारी गई। पुण्यतिथि पर काफी संख्या में संत–महंत, भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। महंत रवींद्र दास महाराज द्वारा संत–महंत और विशिष्टजनों का स्वागत–सत्कार किया गया। इस अवसर पर, श्रद्धांजलि देने वालों में मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, जगदगुरु परमहंसाचार्य, रामहर्षण कुंज के महंत रामकुमार दास, नागा नंदराम, आचार्य करुणानिधान गर्ग, आचार्य लक्ष्मण शास्त्री, नागा कल्लू दास, रामदास दयालु, ब्रजनंदन सिंह, गणेश, दिवाकर तिवारी, अभयकुमार सिंह, राजेश मौर्य, रविंद्र प्रसाद, उपाध्यक्ष राजन बाबा, हनुमानगढ़ी सरपंच रामकुमार दास, नागा नंदराम, आचार्य करुणानिधान गर्ग, आचार्य लक्ष्मण शास्त्री, नागा कल्लू दास, रामदास दयालु, ब्रजनंदन सिंह, गणेश, दिवाकर तिवारी, अभयकुमार सिंह, राजेश मौर्य, कौशल सिंह, जासो देवी, नरेंद्र, चंद्रहास दीक्षित, सुरेंद्र मौर्या, सिस्टम बाबा, अशोक मिश्रा, अश्विनी पांडेय आदि रहे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) हवेली महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 296/2023

शिवकुमार पाठक

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार आदि

बनाम–1– उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या 2– ग्रामसभा दौलतपुर परगना हवेली अवध तहसील सोहावल जिला अयोध्या द्वारा ग्राम प्रधान दौलतपुर जिला अयोध्या

तारीख पेशी 23–04–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 04 के 23 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रुपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

स्वीप रील प्रतियोगिता 'गोण्डा वोटस–2024' का होगा आयोजन

संवाददाता–गोंडा। जिले में आगामी 20 मई को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। इस चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अभियान शुरू किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को जिला प्रशासन ने स्वीप रील प्रतियोगिता गोण्डा वोट्स–2024 का आयोजन करने की घोषणा की है। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले के युवाओं को गोण्डा का ब्रांड एम्बेसडर बनने का अवसर दिया है। इसके तहत प्रतिभागी को मतदाता जागरूकता और मतदाताओं से वोट करने की अपील की थीम पर रील बनाकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड करनी होगी। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर श्रेष्ठ रील को व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (स्वीप) के अन्तर्गत आधिकारिक रूप से प्रचार प्रसार के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। रील को अपलोड करने की अन्तिम तिथि 31 मार्च है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के साथ ही डीएम गोण्डा के सोशल मीडिया अकाउंट (फेसबुक, ट्वीटर और इंस्ट्राग्राम) पर टैग करना होगा। डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि सभी चयनित प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

एनएसएस छात्रों ने ग्रामीणों के लाइफ स्टाइल व विकास का जाना सच

संवाददाता–बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज की रंजीतपुर गांव में तीन दिनों से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शिविर का आयोजन चल रहा है। शिविर के तीसरे दिन प्रथम सत्र में स्वयं सेवक व सेविकाओं ने गांवों में जाकर लोगों परिवारों के बारे में सामाजिक, शैक्षिक व आर्थिक रूप से जानकारी लेकर सर्वे रिपोर्ट तैयार किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में बनाई गई रिपोर्ट पेश की गई। इसके साथ–साथ निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डा. आलोक शुक्ल ने बताया कि महमदपुर, टिकुईया व डिहवा सहित चार गांवों में छात्र–छात्राओं ने जाकर आर्थिक एवं सामाजिक सर्वेक्षण किया। ग्रामीणों से उनके आय के स्रोत, खर्च और बचत, शिक्षा पर खर्च, चिकित्सा पर खर्च व लाइफ स्टाइल आदि के बारे में जानकारियां जुटाई। सरोजिनी नायडू टोली के लीडर अम्बुज भार्गव ने बताया की मंगलवार को गांवों में डोर–टू–डोर सर्वे कर महिलाओं एवं बुजुर्गों से चर्चा की गई। समाज में हो रहे लिंग भेदभाव, भ्रूण हत्या और बालिकाओं की शिक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त कर महिला उत्थान के लिए सरकारी प्रयासों की भी जानकारी दी गई है। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डा. रमेश कुमार शुक्ल, डा. जितेन्द्र भट्ट, कार्यक्रम अधिकारी डा. अनामिका सिंह, शिवानंद पांडेय, डा. संतोष यादव सहित तमाम स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहे।

विकसित भारत का सपना साकार करेगी नई शिक्षा नीति –अतुल

संवाददाता–गोण्डा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश को विकसित देश बनाने के सपने को साकार करेगी। डायट दर्जीकुआं पर नई शिक्षा नीति के संबंध में एक दिवसीय सेमीनार में यह बात प्राचार्य अतुल कुमार तिवारी ने कही। डायट प्राचार्य ने कहा कि नई शिक्षा नीति समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य व जवाबदेही के स्तम्भों पर आधारित है। यह शिक्षा नीति भारत के सांस्कृतिक विरासत को स्थापित करेगा। प्रवक्ता ज्ञान बहादुर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कई विशेषता बताते हुए कहा कि यह देश के वर्तमान और भविष्य को संवारने वाली शिक्षा नीति साबित होगी। सभी बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ने की आवश्यकता है। सेमिनार में शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आने वाली बाधाओं पर मंथन किया गया। शिक्षक–छात्र अनुपात, शौचालय, साफ –सफाई, आकलन, बच्चों का ठहराव बात हुई। सेमिनार में जनपद के प्राथमिक पूर्व माध्यमिक व कम्पोजिट विद्यालय के 100 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। संचालन ज्ञान बहादुर व सेमीनार के प्रभारी वीर बहादुर सिंह रहे। संदीप कुमार, रेनू राव, सौमित्र सिंह रहे।

खंडहर में पड़ा मिला युवक का शव

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अकबरपुर नगर में एक पेट्रोल पंप के निकट मंगलवार को एक युवक का शव जला हुआ पाया गया। इससे आसपास सनसनी फैल गई। अकबरपुर कोतवाली पुलिस टीम के साथ ही एएसपी पश्चिमी और सीओ सिटी ने मौका मुआयना किया। युवक का चेहरा और शरीर के अन्य हिस्से भी जले हुए हैं। माना जा रहा है कि करीब 45 वर्षीय युवक की हत्या कर शव को जलाने की कोशिश की गई हालांकि पूरी तरह जल नहीं पाया। युवक की पहचान की कोशिश हुई लेकिन सफलता नहीं मिली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही फॉरेंसिक टीम ने भी मौके का जायजा लिया। युवक का शव अकबरपुर नगर के अयोध्या रोड स्थित सरदार पेट्रोल पंप के पीछे एक खंडहर में पाया गया। एएसपी विशाल पांडेय ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए चार अलग—अलग टीम का गठन किया गया है जिन्होंने काम शुरू कर दिया है। अभी पहली प्राथमिकता युवक के पहचान की है।

रिंग रोड पर मुआवजे की दर को लेकर ग्रामीणों ने घेरा थाना, सपाई भी रहे धरने में शामिल

संवाददाता—गोरखपुर। जंगल कौड़िया—जगदीशपुर रिंग रोड के निर्माण से प्रभावित किसानों की मांग को लेकर मंगलवार की दोपहर सपा सांसद प्रत्याशी काजल निषाद गुलरिहा थाने पर पहुंचीं। किसानों को एक—एक कर थाने बुलाने को लेकर उनकी इंस्पेक्टर नोक—झोंक हुई। इंस्पेक्टर ने कहा कि आचार संहिता का पालन कराने के लिए सख्ती की जा रही है। किसी को थाने नहीं बुलाया जा रहा है। जिन लोगों ने बैनर—पोस्टर लगाया है उन्हें कहा जा रहा है कि वह अचार संहिता को उलंघन न करें। इसके बाद सपा प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ क्षेत्र में चली गईं। रिंग रोड से प्रभावित किसान उचित मुआवजे की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से क्षेत्र में पोस्टर बैनर लगाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल किसान जगह—जगह पोस्टर लगाए थे कि उचित मुआवजा नहीं तो वोट नहीं। मामला संज्ञान में आने के बाद सोमवार की दोपहर गुलरिहा थाना प्रभारी और नायब तहसीलदार आचार संहिता का हवाला देते हुए बेलवा रायपुर गांव पहुंचकर पोस्टर बैनर हटवाए। किसानों के घर जाकर गुलरिहा पुलिस ने उनका नाम और मोबाइल नम्बर लिखकर थाने पर बुलाया। मंगलवार की दोपहर क्षेत्र के कुछ किसान थाने पहुंचे तो उसी समय सपा प्रत्याशी काजल निषाद अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंच गई। सुबह थाने के किसी सिपाही ने बेलवा रायपुर के एक युवक जिसके घर के सामने पोस्टर लगा था उसे फोन कर थाने बुलाया था। केवल एक गांव के लोगों को थाने क्यों बुलाया गया है इसको लेकर थाना प्रभारी शशि भूषण राय व प्रत्याशी के बीच काफी नोकझोक होने लगी। गुलरिहा इंस्पेक्टर ने कहा कि थाने पर किसी को नहीं बुलाया गया। आचार संहिता का उलंघन होने पर सख्ती से निपटा जाएगा। प्रत्याशी ने कहा कि आप ने नहीं बुलाया तो किसने बुलाया। आखिर एक ही गांव के लोगों को क्यों बुलाया गया है अन्य गांव के किसानों को क्यों सूचना नहीं दी गई। इंस्पेक्टर ने जमीन से जुड़ा मामला होने के कारण नायब तहसीलदार के पास जाने को कहा। जिसपर काजल निषाद और उनके समर्थक चले गए।

किशोरी के साथ अश्लील हरकत, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोरखपुर। चिलुआताल थानांतर्गत एक गांव निवासी व्यक्ति ने चिलुआताल पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया कि 18 मार्च को दिन में करीब दो बजे आरोपी राजेश उनके घर के बाहर गेंहू फैलाया था। उसे ले जाने के लिये आया तो गेहूं उठवाने के बहाने मेरी बारह साल की बेटी को बुलाया और उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। वह धक्का देकर किसी तरह भाग कर अपने को बचाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर दो घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मंदिर पर लगे पीतल के आठ घंटे चोरी

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के मिरवापुर गांव के पूरब पहलवान बाबा के मंदिर पर लगा आठ पीतल का घंटा सोमवार रात चोरी हो गया। चोरी गए घंटों का वजन डेढ़ कुंतल बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना देकर चोरों का पता लगाने की मांग की है।

मिरवापुर गांव में पहलवान बाबा के मंदिर पर मंगलवार सुबह ग्रामीण पूजा अर्चना करने पहुंचे तो देखा कि एक, दो नहीं बल्कि पीतल के आठ घंटे गायब हैं। कुछ ही देर में यह खबर पूरे गांव में फैल गई। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों के अनुसार गायब हुए घंटों का वजन डेढ़ कुंतल के आसपास था। प्रधान प्रतिनिधि बलवंत सिंह ने पथरा थानाध्यक्ष को मंदिर से घंटा चोरी होने की लिखित सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय ने बताया सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

पुण्यतिथि पर याद किये गये पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मानने से पहले तर्क की कसौटी पर कसने वाले आर्य समाज के प्रखर वक्ता, क्रान्तिमय विचारों के धनी 'पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी' की पुण्य तिथि आर्य समाज नई बाजार बस्ती एवं स्वामी दयानंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुर्तीहट्टा पुरानी बस्ती के संयुक्त तत्वावधान मे ऋतुअनुकूल हवन सामग्री के साथ विधि विधान शान्ति यज्ञ के माध्यम से मनाई गई। इस अवसर पर प्रधान ओम प्रकाश आर्य ने बताया कि महर्षि दयानन्द सरस्वती से एक विज्ञान वर्ग का नास्तिक युवक जब अपने प्रश्नों द्वारा उन्हें निरुत्तर करना चाहता था तो महर्षि ने बड़ी सौम्यता से वेदों के रहस्य को समझाने लगे जिससे वह नास्तिक युवक पूर्ण आस्तिक बन गया। विद्यार्थी को निश्चित ही जिज्ञासु होना चाहिए जिससे वह अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सद्ज्ञान का प्रसार कर सके। आर्य समाज नई बाजार बस्ती के पुरोहित श्री देवव्रत आर्य जी ने यज्ञ के पश्चात समस्त को सम्बोधित करते हुए कहा कि पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी जी एक दार्शनिक विद्वान् थे जिन्होंने चौबीस वर्ष (24) की अल्पायु में ही संस्कृत, अरबी, फारसी, अंग्रेजी, वैदिक साहित्य, अष्टाध्यायी, भाषा विज्ञान, पदार्थ विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, नक्षत्र विज्ञान, शरीर विद्या, आयुर्वेद, दर्शन शास्त्र, इतिहास, गणित आदि का जो ज्ञान प्राप्त कर लिया था , उसे देख कर बड़े—बड़े विद्वान चकित रह जाते थे। आज विद्यार्थियों को उनका अनुसरण करना चाहिए।

प्रधानाध्यापक आदित्यनारायण गिरि ने बताया कि किसी एक धुन के सिवा मनुष्य कोई बड़ा काम नहीं कर सकता। धुन भी इतनी कि दुनिया उसे पागल कहे। पं. गुरुदत्त के अन्दर पागलपन तक पहुँची हुई धुन विद्यमान थी। उसे योग और वेद की धुन थी। जब गुरुदत्तजी स्कूल की आठवीं कक्षा में पढ़ते थे, तभी से उन्हें शौक था कि जिसके बारे में योगी होने की चर्चा सुनी, उसके पास जा पहुँचे। प्राणायाम का अभ्यास आपने बचपन से ही आरम्भ कर दिया था। इसी उम्र में एक बार बालक को एक नासारन्ध्र को बन्द करके साँस उतारते—चढ़ाते देखकर माता बहुत नाराज हुई थी। उसे स्वभावसिद्ध मातृस्नेह ने बतला दिया कि अगर लड़का इसी रास्ते पर चलता गया तो फकीर बनकर रहेगा।

अजमेर में योगी महर्षि दयानन्द की मृत्यु को देखकर योग सीखने की इच्छा और भी अधिक भड़क उठी। लाहौर पहुँचकर पण्डितजी ने योगदर्शन का स्वाध्याय आरम्भ कर दिया।

पं. गुरुदत्तजी को दूसरी धुन थी वेदों का अर्थ समझने की। वेदों पर आपको असीम श्रद्धा थी। वेदभाष्य का आप निरन्तर अनुशीलन करते थे। जब अर्थ समझने में कठिनता प्रतीत होने लगी तब अष्टाध्यायी और निरुक्त का अध्ययन आरम्भ हुआ। धीरे—धीरे अष्टाध्यायी का स्वाध्याय पण्डितजी के लिए सबसे प्रथम कर्तव्य बन गया, क्योंकि आप उसे वेद तक पहुँचने का द्वार समझते थे। आपका शौक उस नौजवान—समूह में भी प्रतिबिम्बित होने लगा, जो आपके पास रहा करता था। इस प्रकार दुर्गादासजी, जीवनदासजी, आत्मारामजी, पं. रामभजदत्तजी और लाला मुन्शीरामजी की बगल में उन दिनों अष्टाध्यायी दिखाई देती थी। उनके जीवन से हमें अनेक प्रेरणाएं प्राप्त होती हैं। यज्ञ मे विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओ एवं छात्र छात्राओ ने प्रतिभाग किया।

सजायाफ्ता 150 कैदी भेजे जायेंगे वाराणसी सेंट्रल जेल

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर जेल में बंद 1961 कैदियों में 402 सजायाफ्ता हैं। इसमें 150 ऐसे सजायाफ्ता कैदी है जिनके खिलाफ कोई मुकदमा विचाराधीन नहीं है। जल्द ही इन्हें वाराणसी सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया जाएगा। जिसके बाद जिला कारागार में बंदियों की संख्या भी घट जाएगी। यह पहली बार होगा जब गोरखपुर जेल में बंदियों की संख्या सबसे कम हो जाएगी। जिला जेल में सजा काट रहे 150 कैदियों को वाराणसी सेंट्रल जेल शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए जेल प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने की आशंका में 20 और बंदियों को अलग— अलग जेल में शिफ्ट किया गया है। इसके अलावा कुछ अन्य कैदियों की लिस्ट तैयार की जा रही है। मालुम हो की सजायाफ्ता कैदियों को सेंट्रल जेल में रखने की व्यवस्था है। गोरखपुर जेल में बंद 1961 कैदियों में 402 सजायाफ्ता हैं। इसमें 150 ऐसे सजायाफ्ता कैदी है जिनके खिलाफ कोई मुकदमा विचाराधीन नहीं है। जल्द ही इन्हें वाराणसी सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया जाएगा। जिसके बाद जिला कारागार में बंदियों की संख्या भी घट जाएगी। यह पहली बार होगा जब गोरखपुर जेल में बंदियों की संख्या सबसे कम हो जाएगी।एक समय यहां कैदियों की संख्या 2300 से ज्यादा थी। लेकिन अब यह घटने लगी है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक दिलीप कुमार पांडेय का कहना है कि सजायाफ्ता कैदियों को रखने की व्यवस्था सेंट्रल जेल में होती है, पर कुछ मामले में ट्रायल चलने की वजह से बार—बार ले आने ले जाने के चलते उन्हें स्थानीय जेल में रखा जाता है।गोरखपुर जेल में 400 के करीब सजायाफ्ता कैदी हैं जिसमें से करीब 150 कैदियों का ट्रायल पूरा हो चुका है। उन्हें अब वाराणसी सेंट्रल जेल ट्रांसफर किया जाएगा। चुनाव को प्रभावित करने की आशंका में 20 बंदियों को दूसरी जेल में शिफ्ट करा दिया गया है।

लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से निपटाने के लिए जेल प्रशासन ने गोरखपुर जेल से गौतम को देवरिया, शक्ति सिंह चौहान को आजमगढ़, सराकत अली को बस्ती, अमजद हुसैन व सूरत पांडेय को देवरिया, ठाकुर मनोज सिंह को प्रयागराज, मिथुन व सर्वजीत को बहराइच जेल, नितिन व मुरारी पांडेय को संतकबीरनगर, जमशेद आलम व नंद किशोर को संतकबीरनगर जेल भेजा है।

चेक बाउंस के मामले में न्यायालय ने बीसी पाण्डेय तथा मथुरा पाण्डेय को किया दोषमुक्त

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। चेक बाउंस के एक पुराने मामले में मंगलवार को न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश षष्टम विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट द्वारा वृंदावन पाण्डेय तथा मथुरा पाण्डेय निवासी अहमदाबाद, गुजरात को दोष मुक्त किया गया।

न्यायाधीश द्वारा फैसला सुनाते हुए कहा की पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का मूल्यांकन व समीक्षा करने पर यह पाया गया कि प्रस्तुत प्रकरण में अभियुक्त गण के विरुद्ध आरोपित आरोप साबित नहीं होता है। ऐसी स्थिति में अभियुक्त गण को दोष मुक्त किया जाता है। ज्ञात हो वर्ष 2019 में बस्ती जिले के भैंसहिया गांव निवासी प्रभाकर ने वी सी पाण्डेय तथा मथुरा प्रसाद पांडेय के खिलाफ चेक बाउंस के मामले को लेकर मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें न्यायालय ने जुलाई 2023 में इन दोनों को दोषी मानते हुए इन्हें एक वर्ष के साधारण कारावास था दो हजार अर्थदंड की सजा सुनाई थी। इस मामले को लेकर वी सी पाण्डेय तथा मथुरा प्रसाद पांडेय ने अपर सत्र न्यायालय में अपील की थी, जिसमें सुनवाई करते हुए आज न्यायालय द्वारा वी सी पाण्डेय तथा मथुरा प्रसाद पांडेय को दोष मुक्त किया गया।

फरार चल रहा आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर पुलिस ने मंगलवार को फरार चल रहे एक आरोपित सिंगारजोत के पास से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि क्षेत्र के वीरपुर एहतमाली गांव निवासी रामभारत उर्फ मैकू पुत्र सोभाराम पर धारा 3(1) उप्र गिरोह बंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज था। तब से यह फरार चल रहा था। मंगलवार को उसे सिंगारजोत के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई उपेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल फहीम अहमद, कांस्टेबल अखिलेश मौर्य शामिल रहे।

मस्टररोल में 231 श्रमिक को कार्य, मौके पर शून्य रही संख्या

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लॉक क्षेत्र के गड़रखा गांव में चल रहे नाला खुदाई कार्य के मास्टर रोल में फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया है। नाला खुदाई के लिए मास्टर रोल में 231 श्रमिक को कार्य निर्गत किए गए हैं जबकि ब्लॉक क्षेत्र के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के निरीक्षण में मौके पर श्रमिकों की संख्या शून्य मिली है। यह फर्जीवाड़ा खुलने के बाद बीडीओ ने मास्टर रोल शून्य करते हुए सचिव व तकनीकी सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है। दरअसल, बढ़नी क्षेत्र के गड़रखा गांव में मनरेगा योजना के तहत नाला खुदाई का कार्य चल रहा है। यह कार्य मारूफ के खेत से अजीम के खेत तक व बरकत के खेत से पप्पू के खेत चल रहा है। सोमवार को ब्लॉक के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी ने मौके पर दोनों कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में दोनों कार्यों के लिए 231 श्रमिकों का मास्टर रोल निर्गत किया गया था लेकिन कार्य स्थल पर एक भी श्रमिक कार्य करते नहीं मिले। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी की रिपोर्ट के बाद बढ़नी के बीडीओ श्याम मनोहर मुरली मिश्र ने पत्र जारी कर बताया कि स्थिति अत्यंत ही खेदजनक है। उन्होंने ग्राम पंचायत गड़रखा के सचिव संजय कुमार व तकनीकी सहायक राकेश कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कहा है कि ग्राम पंचायत गड़रखा के 18 मार्च के मास्टर रोल को शून्य करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि किन परिस्थितियों में ऐसा किया गया। इसका दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। क्षेत्र में मास्टर रोल के फर्जीवाड़ा की यह कहानी खुलने के बाद कई लोगों की बेचैनी बढ़ गई है।

आईजी ने थानेदार की गाड़ी का कराया चालान, टीएसआई को बुलाकर मौके पर ही लिया एक्शन

संवाददाता—बस्ती। बस्ती रेंज के आईजी आरके भारद्वाज ने छावनी थाने के थानेदार की गाड़ी का ही चालान करवा दिया। प्रभारी निरीक्षक का वाहन थाने में तैनात दीवान चला रहा था, जबकि उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। सोमवार शाम हुई इस कार्रवाई की चर्चा पूरे रेंज में हो रही है। बिना लाइसेंस गाड़ी चला रहे सरकारी विभागों में इसे लेकर हड़कंप की स्थिति भी है।

पुलिस महानिरीक्षक आरके भारद्वाज सोमवार शाम को जिले के हर्रैया क्षेत्र के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने एसएचओ छावनी की गाड़ी चला रहे मुख्य आरक्षी को बुलाया। पूछा कि सरकारी गाड़ी चला रहे हो, आपके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस है? हेड कांस्टेबल के यह कहते ही कि ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है, आईजी ने फौरन टीएसआई कामेश्वर सिंह को तलब किया और यातायात नियम के तहत बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। टीएसआई ने एसएचओ के वाहन का चालान कर दिया। आईजी ने एक अप्रैल तक की डेडलाइन जारी करते हुए पूरे रेंज में निर्देश दिया है कि परिक्षेत्र के सभी थानों में पुलिस की गाड़ियों पर सिर्फ प्रशिक्षित चालक ही रखे जाएं। पुलिसकर्मियों की इससे संबंधित ट्रेनिंग करा ली जाए। आईजी आरके भारद्वाज ने कहा कि सभी को ख्याल रखना चाहिए कि आम हो या खास आदमी, कोई भी कानून और नियम—कायदे से बड़ा नहीं है। अगर नियमों का पालन नहीं करेंगे तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होगी।

श्याम सतरंगी फाल्गुनोत्सव में उड़ेगा अबीर—गुलाल

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। हर वर्ष की भांति बढ़नी कस्बे में दो दिवसीय श्याम सतरंगी फाल्गुनोत्सव का आयोजन बढ़नी एवं नेपाल के कृष्णानगर खाटू श्याम भक्तों की ओर से किया गया है। इसका शुभारंभ 20 मार्च की सुबह नौ बजे से राणी सती मंदिर से शोभायात्रा निकाल कर की जाएगी। यह शोभायात्रा नगर के माल गोदाम तिराहा होते हुए मेन बॉर्डर तक व नेपाल कृष्णानगर कस्बे के महेंद्र पार्क से बैंक रोड, गोलघर रोड, शिव भोले मंदिर मार्ग होकर लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचकर समाप्त होगी। श्याम भक्तों की ओर से पिछले 30 वर्षों से निकाली जा रही शोभा यात्रा लोगों के आकर्षण का केंद्र रहती हैं। इस वर्ष निकलने वाली शोभा यात्रा में महिलाएं, बच्चे, युवा—युवतियां सभी हिस्सा लेंगी। इस दौरान श्याम की धुनों पर अबीर—गुलाल उड़ाते हुए सतरंगी फाल्गुनोत्सव मनाया जाएगा।

शोभा यात्रा समाप्त होने के बाद नेपाल के लक्ष्मीनारायण मंदिर में खाटू श्याम का दरबार सजाया जाएगा। इस दौरान उनको छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा। इस प्रसाद का भक्त भी आनंद उठा सकेंगे। इसके अलावा शाम सात बजे से मंदिर परिसर में गायक अमित अंजन एंड पार्टी, नेहा सिंह राजपूत की ओर से भजन प्रस्तुत किया जाएगा।

29 मार्च को रिलीज होगी 'महादेव का गोरखपुर'

संवाददाता—गोरखपुर। भोजपुरी सुपर स्टार सह सांसद रवि किशन की फिल्म "महादेव का गोरखपुर" इतिहास रचने को तैयार है। यह भोजपुरी की पहली फिल्म होगी जो पैन इंडिया लगभग 150 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का रिलीज डेट 29 मार्च है और इस दिन यह फिल्म ग्लोबल स्तर पर भी रिलीज किया जा रहा है, जिसके तहत फिल्म को अमेरिका के 12 सिनेमाघरों में रिलीज किया जायेगा, यह देश की सभी भाषाओँ का सबसे बड़ा थियेटर रिलीज होने वाली फिल्म बनने जा रही है।

यह भोजपुरी भाषा और भोजपुरी समाज के लिए गर्व का क्षण होगा, जब इतने बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज किया जायेगा। बात करें अगर यूपी, बिहार, असम और बंगाल की, तो उत्तर प्रदेश में 52, बिहार में 72 और बंगाल व असम में 23 सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज की जाएगी, इसमें खास बात यह है कि फिल्म सिने प्लेक्स, इनोक्स जैसे बड़े जगहों पर रिलीज की जानी है।

फिल्म "महादेव का गोरखपुर" के पैन इंडिया इतनी बड़ी रिलीज की प्लानिंग से अभिनेता रवि किशन गदगद हैं। वे भोजपुरी के पहले ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी फिल्म को इतनी बड़ी रिलीज मिल रही है. इससे वे आशान्वित हैं और उनका कहना है कि फिल्म "महादेव का गोरखपुर" समस्त भारत की भाषा सबसे बड़ी थियेटर रिलीज होगी और अमेरिका के 12 सिनेमा हॉल में भी लोग इस फिल्म को देख सकेंगे। भोजपुरी समाज के खघतिर और फिल्म इंडस्ट्री के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी माटी के बोली अब विश्व देखी, गोरखपुर के विश्व देखी।

आपको बता दें कि रवि किशन महादेव के अनन्य भक्त हैं और उनकी भक्ति का अंदाजा उनकी इस फिल्म में भी लगने वाला है. फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर हुआ है। बजट के मामले में भी फिल्म काफी बड़ी है. ऐसे में उनके फैंस के साथ फिल्म क्रिटिक्स की निगाहें भी उनकी आगामी फिल्म पर होगी। राजेश मोहन के निर्देशन में बनी फिल्म श्महादेव का गोरखपुरश में महादेव शिव जी की जिस भव्यता और आस्था के साथ अद्भुत स्तुति की गयी, जो अकल्पनीय है और ऐसा वर्णन उनका पहले कहीं नहीं हुआ। फिल्म की शूटिंग गोरखपुर और आस पास के लोकेशन पर की गयी है. यह फिल्म भोजपुरी के साथ हिंदी, तमिल, तेलगु और कन्नड़ में रिलीज होगी. सिने पोलिस इस फिल्म को पैन इंडिया में रिलीज कर रही है।

रवि किशन प्रोडक्शन के साथ मिलकर वाया फिल्म्स ने फिल्म ष्महादेव का गोरखपुरष का निर्माण किया है, जिसके प्रस्तुतकर्ता सी सी शाह एंड संस हैं। फिल्म का म्यूजिक राईट जंगली म्यूजिक के पास है. फिल्म के निर्माता प्रीतेश शाह और सलिल संकरण हैं. सह निर्माता अरविंद और अमरजीत दहिया हैं। कहानी साई नारायण ने लिखी है.. डीओपी अरविंद सिंह हैं. म्यूजिक अगम अग्रवाल और रंजिन राज का है. एक्शन फैंटम प्रदीप का है. कोरियोग्राफी संतोष ने की है. लाइन प्रोड्यूसर अखिलेश राय फिल्म के पी आर ओ पवन दुबे हैं।

रामनवमी के मौके पर अयोध्या आ सकते हैं पीएम मोदी

संवाददाता—अयोध्या। रामनवमी पर अयोध्या को एक बार फिर से दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। सूत्रों की मुताबिक रामनवमी के दिन बीजेपी बड़ा आयोजन करने जा रही है। बताया जा रहा है कि इस खास पूजा में पीएम नरेंद्र मोदी भी हिस्सा ले सकते हैं। आपकों जानकारी के लिए बता दें कि भारत में पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को है। इस साल रामनवमी 17 अप्रैल को है। और 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव 2024 का पहला चरण शुरू होने वाला है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि भगवान राम का आर्शीवाद लेने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अयोध्या धाम जा सकते हैं। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 का परिणाम 4 जून को आने वाले हैं। भारतीय जनता पार्टी के गठन के साथ से ही राम मंदिर निर्माण का मुद्दा उसके घोषणा पत्र के पहले पन्ने पर रहा है। इस साल राम मंदिर बन कर तैयार हो चुका है। बड़ी संख्या में भक्त रामलला के दर्शन भी कर रहे हैं। ऐसे में पीएम मोदी इस मुद्दे को लोकसभा चुनाव 2024 में भुनाने का प्रयास करेंगे। आपको जानकारी के लिए बता दें कि 2019 के आम चुनाव में यूपी की कुल 80 लोकसभा सीटों में से बीजेपी गठबंधन 64, सपा 5, कांग्रेस एक और मायावती की बसपा पार्टी 10 सीटें हासिल की थी।

अदालती नोटिस

न्यायालय स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 63/2023

न्यायालय—सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला—सिद्धार्थनगर

1. श्रीमती गीता देवी वालिग पुत्री स्व0 अवधनाथ पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद साकिन महुलानी तप्पा बीसो हाल मुकाम साकिन जनियाजोत तप्पा चंवर परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर उ0प्र0

बनाम

ईस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 29—03—2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 03 के 29 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला— सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत—श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती

सिविल प्रकीर्ण सं0 79/2023

राजनरायन सिंह आदि

बनाम

शेरबहादुर सिंह आदि

1/1 शेरबहादुर सिंह पुत्र अभयराज सिंह 1/2 श्रीमती प्रेमा देवी पत्नी अभयराज सिंह 1/3 सुधा देवी पुत्री अभयराज पत्नी विरेन्द्र सिंह 1/4 डाली सिंह पुत्री अभयराज सिंह पत्नी सुशील सिंह 2. विरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 राजबहादुर सिंह 3. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व0 राज बहादुर सिंह साकिनान मौजा पखेरवा कला तप्पा रामगढ़ पो0 अमारी बाजार परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—04—2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 18 माह 04 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com